गौतमबुद्ध नगर
JBT
www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 तिल-गुड़ की मिठास में बसा सूर्य पर्व है 'मकर संक्रांति' | 07 विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने संन्यास लिया | अगर पहली फिल्म में मेरा किरदार जीवित... 08

गुजरात की पहली बीएसएल-4 लैब बनेगी देश के लिए गेमचेंजर : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गांधीनगर में देश की पहली अत्याधुनिक बीएसएल-4 लैब का किया शिलान्यास

गांधीनगर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गुजरात की पहली बीएसएल-4 लैब देश के लिए गेमचेंजर बनेगी। आज प्रदेश की धरती से भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा और बायो-सेफ्टी क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत हुई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह मंगलवार को गांधीनगर में राज्य सरकार से संचालित देश की पहली अत्यधुनिक 'बायो-सेफ्टी लेवल-4' (बीएसएल-4) लैब और एनिमल बायो-सेफ्टी लेवल सुविधा का शिलान्यास करने के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुनभाई मोढवाडिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। अमित शाह ने कहा कि गुजरात में इस लैब के शुरू होने से भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा और बायो-सेफ्टी क्षेत्र में एक नए युग की शुभारंभ हुआ है।उन्होंने कहा कि पुणे के बाद यह देश की दूसरी हाई-लेवल लैब है, लेकिन राज्य सरकार की पहल से यह देश की पहली बीएसएल-4 लैब बनेगी। यह लैब भविष्य में जानलेवा वायरस से लड़ने के लिए भारत का मजबूत सुरक्षा कवच सिद्ध होगी। 362 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह लैब गृह मंत्री शाह के संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में बनाई जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि विज्ञान और तकनीक राष्ट्र विकास का आधार स्तंभ हैं। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की लैब शोधकर्ताओं और युवाओं के लिए नए अवसर खोलेगी।

खासतौर पर पशुओं से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए 'वन हेल्थ मिशन' को इससे मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में भारत की बायो-इकोनॉमी 10 बिलियन डॉलर थी, जो 2024 में बढ़कर 166 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। स्टार्टअप्स की संख्या 500 से बढ़कर 10 हजार से ज्यादा हो चुकी है। पेटेंट फाइलिंग और निजी निवेश में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे यह सिद्ध होता है कि भारत के युवा अब जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब गिवर बन रहे हैं। शाह ने कहा कि इस लैब के शुरू होने से अब सैंपल जांच के लिए विदेशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे 'आत्मनिर्भर भारत' को बल मिलेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि वर्ष 2027 तक भारत बायो-टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर सेक्टर में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल होगा।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस परियोजना को प्रधानमंत्री के हेल्थ केयर और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के विजन का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि बीएसएल-4 लैब के संचालन से हाई रिस्क वायरस पर राज्य में ही शोध संभव होगा और समय पर सटीक निदान उपलब्ध होगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि यह लैब गुजरात ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय जैव-प्रौद्योगिकी विभाग ने गुजरात सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को आशय पत्र (एलओआई) सौंपा गया, जिसके तहत गुजरात बायो-टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की इस सुविधा को 'नेशनल सेंटर फॉर हाई कंटेनमेंट पैथोजन रिसर्च फैसिलिटी' के रूप में नामित किया गया। इस अवसर पर गांधीनगर की महापौर मीराबेन पटेल, सांसद हसमुखभाई पटेल, हरिभाई पटेल, मयंकभाई नायक, विधायक रीटाबेन पटेल, अल्पेश ठाकोर, भारत सरकार के बायो-टेक्नोलॉजी सचिव राजेश गोखले, राज्य के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कुत्ते के काटने से हुई मौत पर राज्यों पर तय होगा भारी मुआवजा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाने पर चिंता व्यक्त की और मंगलवार को कहा कि वह कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए राज्यों को 'भारी मुआवजा' देने का आदेश देगा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए कुत्ता प्रेमियों और उन्हें खाना खिलाने वालों को भी 'जिम्मेदार' और 'जवाबदेह' ठहराया जाएगा। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मृत्यु या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा देने की मांग करेंगे क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है। साथ ही, इन आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? ये कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते हैं, लोगों को काटते हैं और डराते हैं? न्यायमूर्ति मेहता ने न्यायमूर्ति नाथ के विचारों से सहमति जताते हुए कहा कि जब कुत्ते नौ साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? वह संगठन जो उन्हें खाना खिला रहा है, उसे? आप चाहते हैं कि हम इस समस्या से आंखें मूंद लें।

उच्चतम न्यालय सात नवंबर, 2025 के अपने उस आदेश में संशोधन के अनुरोध वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों और सड़कों से इन आवारा जानवरों को हटाने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि सबसे अजीब बात यह है कि गुजरात के एक वकील को एक पार्क में कुत्ते ने काट लिया और जब नगर निगम के अधिकारी उस जानवर को पकड़ने गए, तो खुद को कुत्ता प्रेमी बताने वाले वकीलों ने नगर निगम के अधिकारियों पर हमला कर दिया। शीर्ष अदालत ने यह भी खेद जताया कि पिछले चार दिनों से वह इस मुद्दे पर दलीलें सुन रही है, लेकिन कार्यकर्ताओं और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के हस्तक्षेप के कारण वह मामलों में आगे नहीं बढ़ पाई और केंद्र तथा राज्य सरकारों के पक्ष को भी नहीं सुन सकी।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि हम सभी वकीलों से अनुरोध करते हैं कि वे हमें केंद्र, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित निकायों की जवाबदेही तय करने दें। हमें आदेश पारित करने दें। हमें राज्यों और केंद्र के साथ आधा दिन बिताने की जरूरत है, ताकि यह देखा जा सके कि उनके पास कोई कार्ययोजना है या नहीं। समस्या हजार गुना बढ़ चुकी है। हम सिर्फ वैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन की मांग कर रहे हैं। हमें यह करने दें। हमें काम करने दें। हमें आगे बढ़ने दें।

संक्षिप्त खबरें

अब्बास अंसारी को यूपी गैंगस्टर एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को यूपी गैंगस्टर एक्ट के मामले में नियमित जमानत दे दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अब्बास अंसारी को नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 7 मार्च, 2025 को अब्बास अंसारी को अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने 31 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान अब्बास अंसारी के वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि चित्रकूट में एक गिरोह चलाने से संबंधित आरोपों पर आधारित एक एफआईआर पहले ही रद्द कर दिया गया है। यह चौंकाने वाली बात है कि एक दूसरी एफआईआर दर्ज कर दी गई।

यूपीआई उपयोगकर्ता का आंकड़ा जल्द पहुंच सकता है एक अरब : टी रबी शंकर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने मंगलवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान के विस्तार की बहुत अधिक गुंजाइश हैं। उन्होंने कहा कि यूपीआई में अपने मौजूदा 40 करोड़ के आधार से दोगुने से अधिक होकर 100 करोड़ उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने की क्षमता है। दुनिया के कुल खुदरा भुगतान लेनदेन का लगभग 50 प्रतिशत भारत में होता है, लेकिन इसके बावजूद प्रति व्यक्ति डिजिटल लेनदेन की संख्या के मामले में भारत को अभी कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की बराबरी करनी है। केन्या का उदाहरण देते हुए आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा कि केन्या में प्रति व्यक्ति डिजिटल लेनदेन भारत की तुलना में लगभग दोगुना है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई), जो आरबीआई द्वारा प्रवर्तित संस्था है और जिसने यूपीआई बनाया है, उसने 2016 में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए मुख्य मंच पेश करने के कुछ ही महीनों के भीतर फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए यूएसएसडी आधारित सेवा शुरू की थी।

महादेव ऐप मामला: ईडी ने रवि उप्पल की दुबई स्थित संपत्ति को कुर्क किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने 'अवैध' महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में फरार प्रमुख प्रवर्तकों में से एक रवि उप्पल सहित विभिन्न आरोपियों की लगभग 21 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के कई बड़े राजनीतिक नेताओं और नौकरशाहों की कथित संलिप्तता बताई जाती है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 10 जनवरी को एक अंतरिम आदेश जारी किया गया। पिछले हफ्ते, ईडी ने इसी तरह का एक आदेश जारी कर महादेव ऑनलाइन बुक (एमओबी) नामक ऐप के एक अन्य मुख्य प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर तथा कुछ अन्य लोगों की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि नवीनतम आदेश के तहत, दुबई के एट्रीया रा में स्थित उप्पल की 6.75 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली गई है।

ट्रंप डब्ल्यूईएफ दावोस बैठक में शामिल होंगे, भारत से भी होगा बड़ा प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के आयोजकों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पांच कैबिनेट सदस्यों के साथ स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट शहर दावोस में मंच की वार्षिक बैठक में शामिल होंगे। इसके साथ ही इस शिखर सम्मेलन में भारत की ओर से भी एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि कम से कम 64 देशों के शासनाध्यक्ष या राष्ट्राध्यक्ष वहां मौजूद रहेंगे, जबकि सात में छह जी-7 देशों का प्रतिनिधित्व उनके शीर्ष नेतृत्व द्वारा किया जाएगा।

रानी बाग: गोदाम में लगी आग, दो की जलकर मौत

नई दिल्ली। बाहरी जिले के रानी बाग इलाके में सोमवार देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आए एक गोदाम और आसपास की झुग्गियों में दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि गोदाम में रखा लाखों रुपये का माल जलकर खाक हो गया। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग को पूरी रात मशक्कत करनी पड़ी।

दमकल विभाग के अनुसार सोमवार देर रात करीब 1:30 बजे ओल्ड पीतमपुरा गांव से आग लगने की सूचना मिली। आग तेजी से फैलती चली गई और देखते ही देखते गोदाम के साथ-साथ पास की झुग्गियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की नौ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। भीषण आग के कारण अंदर फंसे दो लोग बाहर नहीं निकल सके। बाद में उनकी जली हुई लाशें बरामद की गईं। मृतकों की पहचान वीरेश और सतीश के रूप में हुई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भगवान महावीर अस्पताल भेजा गया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि आग इतनी भयावह थी कि लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था।

देश सही दिशा और गति के साथ विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करेगा: सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि देश 'सही दिशा और गति' के साथ विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करेगा और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये चीजें राष्ट्रों और व्यक्तियों, दोनों को समान रूप से प्रेरित करती हैं।

दिल्ली छावनी में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेट को संबोधित करते हुए, सीडीएस ने सशस्त्र बलों को 'सबसे उत्तम पेशों में से एक' बताया और युवाओं से राष्ट्र की सेवा करने की अपील की। जनरल चौहान ने कहा कि जब मैं कहता हूं कि आपका मार्ग और गंतव्य एक ही दिशा में होने चाहिए, तो इसका चयन हमें आज ही करना होगा ताकि आप सही मंजिल तक पहुंचें और अपने उद्देश्य को प्राप्त करें। अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आप जो भी चयन करें, उसमें राष्ट्रवाद का तत्व भी होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि देश के युवा विकसित भारत की राह में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। सीडीएस ने कहा कि यह सिर्फ आपका ही नहीं, बल्कि मेरा भी मानना है कि पूरा देश एक बेहद महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। हम भी अपने भविष्य की तलाश में हैं। हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना चाहते हैं, एक समृद्ध राष्ट्र जो सशक्त और सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि 2047 में एक विकसित भारत। और मेरा मानना है कि यह हमारा अमृत काल है, और हम एक राष्ट्र के रूप में अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। और, यह हम उन युवाओं की मदद से हासिल करेंगे जो प्रेरित हैं और देश के लिए कुछ करने को तैयार हैं। अपने संबोधन में उन्होंने गति के महत्व पर जोर दिया। जनरल चौहान ने कहा कि मैं इसमें गति का एक और पहलू जोड़ना चाहता हूं। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि एक कहावत है... आप कल का इंतजार नहीं कर सकते। एक राष्ट्र के रूप में हमारे पास 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए बहुत कम समय है। अपने करियर का उल्लेख करते हुए जनरल ने कहा कि बहुत समय पहले, लगभग पांच दशक पहले, मैंने यह राह चुनी थी। मैं सशस्त्र बलों में शामिल हुआ। और मैं यहां आप सभी से यही आग्रह करने आया हूं। यह एक ऐसा पेशा है जो इस देश के नागरिकों का सम्मान अर्जित करता है। उन्होंने कहा कि यह पेशा युवाओं को एक 'कुलीन' वर्ग में शामिल होने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि और जब मैं कुलीन कहता हूं, तो इसका मतलब वेतन और भत्तों से नहीं है, बल्कि उन कौशल से है जिनमें आपको दक्ष किया जाता है। यही आपको दूसरों से अलग बनाता है। सैन्य सेवा का पेशा बहुत ही सम्मानजनक है।"

हिमाचल: गैस सिलेंडर विस्फोट से नेपाल के एक ही गांव के 9 लोगों की मौत

शिमला। भारत के हिमाचल प्रदेश के अर्की बाजार में गैस सिलेंडर विस्फोट की घटना में मारे गए सभी नौ लोग नेपाल के सल्यान जिले के टाकुरा स्थित सिद्धकुमाख गांवपालिका-2 के रहने वाले थे। यह घटना 11-12 जनवरी की मध्यरात्रि को हुई, जब टाकुरा के दो परिवारों के 9 लोग अपने कमरे में रखे गैस सिलेंडर के अचानक विस्फोट और उसके बाद लगी आग की चपेट में आ गए।

मोदी की डिग्री से जुड़े मानहानि मामले में केजरीवाल, संजय सिंह की याचिका खारिज

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने आप के नेताओं-अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह की उन अपीलों को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री की शैक्षणिक डिग्री के बारे में टिप्पणियां करने पर मानहानि के मामले में अलग-अलग सुनवाई की उनकी याचिका को खारिज करने के निचली अदालतों के आदेशों को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति एम आर मेंगडे की एकल पीठ ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य सिंह की याचिकाएं खारिज कर दीं।

केंद्र के आदेश पर 10 मिनट की गारंटी वाली डिलवरी बंद करेगा ब्लिकिंट

नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट अब 10 मिनट की गारंटी वाली डिलीवरी की सेवा बंद करेगा। हालांकि कंपनी ग्राहकों को सामान पहुंचाने की सेवाएं बिना किसी समय सीमा के जारी रखेगी।

ब्लिंकिट यह कदम केंद्र सरकार की पहल और कर्मचारियों की हड़ताल के बाद अपने सभी ब्रांड से यह फीचर हटाने जा रहा है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। कंपनी के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि केंद्र सरकार की ₹गिग वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा₹ के लिए जो पहल की गई है, उसी के अंतर्गत कंपनी ने यह निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार सरकार की पहल पर क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट अब देश में 10 मिनट के भीतर डिलीवरी वाला फीचर हटाने जा रहा है। सूत्रों ने यह स्पष्ट किया कि कंपनी लोगों को मांग पर उनके स्थान पर सामान पहुंचाने की सेवाएं जारी रखेगी, सिर्फ दस मिनट की गारंटी का वादा नहीं रहेगा। कंपनी ने ये कदम केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया की पहल पर उठाया है। इसको लेकर क्विक-कॉमर्स कंपनियों की टिप्पणियों का इंतजार है। हालांकि ब्लिंकिट के अलावा अन्य किसी कंपनी ने फिलहाल ऐसी किसी योजना की बात नहीं कही है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने पिछले महीने क्विक-कॉमर्स कंपनियों के साथ कई बैठकें कीं। बैठक के दौरान मंडाविया ने उनसे ₹गिग वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा₹ के लिए 10-मिनट डिलीवरी सर्विस की मार्केटिंग और ब्रांडिंग बंद करने का आग्रह किया था। बड़े डिलीवरी एग्रीगेटर्स 10-मिनट डिलीवरी की ब्रांडिंग और मार्केटिंग हटाने पर सहमत हो गए हैं। इसके अलावा मंडाविया ने डिलीवरी टाइमलाइन से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए ब्लिंकिट, जेप्टो, जोमैटो और स्विगी जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म से मुलाकात की थी।

श्रम एवं रोजगार मंत्री ने कंपनियों को अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी के वादों की ब्रांडिंग बंद करने के लिए 'प्रेरित' किया, ताकि गिग वर्कर्स के लिए ज्यादा सुरक्षा, संरक्षा और बेहतर काम करने की स्थिति सुनिश्चित की जा सके। उल्लेखनीय है कि देशभर के गिग वर्कर्स ने 31 दिसंबर की रात हड़ताल की थी। 10 मिनट की टाइम लिमिट के चलते इन पर तेज डिलीवरी का दबाव बढ़ रहा था। समय पर डिलीवरी के दबाव के कारण डिलीवरी पहुंचाने वाले कर्मचारियों के सड़क हादसों की घटनाएं बढ़ रहीं हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताओं को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री को इस मामले से अवगत कराया था।

उत्तर भारत में भीषण ठंड: दिल्ली में पिछले तीन वर्षों में जनवरी की सबसे ठंडी सुबह

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को पिछले तीन वर्षों में जनवरी की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। इसके साथ ही चंडीगढ़ में पिछले नौ वर्षों में सबसे ठंडी रात रही। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और झारखंड में शीतलहर के तेज होने से भारत में सर्दी का प्रकोप और गहरा गया है।

दिल्ली में मंगलवार को पिछले तीन वर्षों में जनवरी की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई, जब न्यूनतम तापमान गिरकर तीन डिग्री सेल्सियस हो गया। शहर में 16 जनवरी, 2023 को न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। शहर की प्रमुख वेधशाला सफदरजंग में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.4 डिग्री कम है, पालम में चार डिग्री, लोधी रोड में तीन डिग्री, रिज में 4.4 डिग्री और आयानगर में 3.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शीतलहर की स्थिति तब घोषित की जाती है जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री नीचे गिर जाता है। इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता बिगड़कर 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 337 रहा। कश्मीर में इस समय 'चिल्ला-ए-कलां' का दौर चल रहा है, जो 21 दिसंबर से 30 जनवरी को समाप्त होने वाली 40 दिन की अत्यधिक ठंड की अवधि है।

ऐसे में 16 जनवरी से घाटी में एक पश्चिमी विक्षोभ के आने की आशंका है, जिससे हल्की से मध्यम बर्फबारी की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को एक पश्चिमी विक्षोभ के क्षेत्र में मौसम प्रणाली को प्रभावित करने की संभावना है। इस बीच, सोमवार रात न्यूनतम तापमान गिरने से घाटी में शीतलहर की स्थिति और तीव्र हो गई। अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर में सोमवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 4.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। गांदरबल जिले का सोनमर्ग घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां तापमान शून्य से 7.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर पहलगाम में तापमान शून्य से 6.2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। उत्तरी कश्मीर के स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में पारा शून्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। हालांकि, इस सर्दी में ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई है, लेकिन मैदानी इलाकों में लंबे समय तक सूखा जारी है।

आईएमडी ने पूर्वानुमान लगाया है कि 21 जनवरी तक मौसम के शुष्क रहने लेकिन बादल छाए रहने की संभावना है। मंगलवार को पंजाब में भीषण ठंड की चपेट में रहा और एसबीएस नगर के बल्लोवाल सौंखरी में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब और हरियाणा की साझा राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री कम और पिछले नौ वर्षों में सबसे कम है।

नजफगढ़-नांगलोई सड़क का सीएम रेखा गुप्ता ने किया उद्घाटन

कहा- विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब वर्मा ने नांगलोई-नजफगढ़ सड़क पर सुदृढ़ीकरण और नाली निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास को लेकर लंबे समय से चली आ रही मांग के पूरा होने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उपराज्यपाल के द्वारा दिल्ली ग्रामोदय योजना की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र की सड़कों पर महत्वपूर्ण कार्य आरंभ हुआ। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए बड़े बजट की आवश्यकता थी, जिसे सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी। इस परियोजना से पश्चिमी दिल्ली के लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। कई वर्षों से यह क्षेत्र ट्रैफिक जाम, ड्रेन ओवरफ्लो और बारिश में सड़कों पर पानी भरने की समस्या से जूझ रहा था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा सांसद कमलजीत सहरावत और उत्तर पश्चिम दिल्ली से लोकसभा सांसद योगेन्द्र चंदोलिया की सराहना करते हुए कहा कि उनके निरंतर समर्थन और जनहित के प्रति चिंता के कारण ही यह बड़ी परियोजना साकार हो सकी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास से विकास कार्यों को गति मिलती है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि इस सड़क का निर्माण लंबे समय से लंबित था। जो सड़कें कई सालों से टूटी थी दिल्ली सरकार ने कई सड़कों का काम लिया और टेंडर करके आज काम शुरू हो रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि सांसद के रूप में अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में वह इस सड़क का निर्माण नहीं करवा सके, क्योंकि यह दिल्ली सरकार के अधीन थी और पूर्व प्रशासन के दौरान इस पर काम नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि ये सड़कें ऐसी हैं जहां से लाखों गाड़ियां निकलती हैं और धूल उड़ती है। दिल्ली सरकार ने कहा है कि जल्द ही सड़कों की मरम्मत करके नया बनाया जाएगा। हर सड़क पर 5 साल की गारंटी रखी है। अगर 5 साल में सड़क दोबारा से टूटती है तो ठेकेदार की जिम्मेदारी होगी। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मिलकर नजफगढ़-नांगलोई रोड की नींव रखी है। इस अवसर पर दोनों सांसद के अलावा दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, परिवहन एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज सिंह, विधायक नीलम कृष्ण पहलवान, गजेंद्र द्राल, जिला अध्यक्ष राज शर्मा, पार्षद रेखा रानी सहित आरडब्ल्यूए के सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहें।

त्वरित-वाणिज्य प्लेटफार्मों से 10 मिनट में डिलीवरी की शर्त हटाना अच्छा कदम : राघव चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने मंगलवार को त्वरित-वाणिज्य (इंस्टैंट डिलिवरी) प्लेटफार्मों से ₹10-मिनट डिलीवरी₹ ब्रांडिंग को हटाने के लिए समय पर निर्णायक हस्तक्षेप के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कदम डिलीवरी राइडर्स और सभी आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। राघव चड्ढा ने कहा कि 10 मिनट में डिलवरी वाला नियम हटाना बहुत अच्छा कदम है। जब एक सामान पहुंचाने वाला एजेंट टीशर्ट और जैकेट के साथ बैग पर 10 मिनट छाप कर निकलता है और ग्राहक की स्क्रीन पर टाइमर चलता रहता है, तो दवाब बहुत खतरनाक होता है। उन्होंने कहा कि पिछले महीनों में सैकड़ों डिलीवरी करने वाले लोगों से बात की है। कई लोगों से अत्यधिक काम लिया जाता है। उन्हें वेतन कम दिया जाता है। वे लोग एक अवास्तविक वादे को पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिक का धन्यवाद किया जो मानव जीवन, सुरक्षा और सम्मान के पक्ष में मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने गिग वर्करों से कहा कि वह अकेले नहीं हैं, सब उनके साथ हैं।

संक्षिप्त खबरें

कुत्तों के हमले से बचने की कोशिश में गंवाई जान

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालिंदी कुंज इलाके में शनिवार देर कुत्तों के हमले से बचने की कोशिश में एक 29 वर्षीय युवक की जान चली गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब दोनों युवक बाइक से एक जानकार को तलाश करते हुए यमुना की ओर खाली मैदान में गए थे। मृतक की पहचान तुषार कुमार उर्फ एटीएस के रूप में हुई है। हादसे में घायल युवक सुधाकर सिंह (29) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पेशे से फार्मासिस्ट है और मदनपुर खादर इलाके में रहता है। सुधाकर ने पुलिस को बताया कि 10 जनवरी की रात करीब 10:30 बजे वह अपना मेडिकल स्टोर बंद कर बाहर निकले थे, तभी उनकी मुलाकात दोस्त तुषार से हुई। सुधाकर ने तुषार को बताया कि उनके मामा का लड़का घर से झगड़ा करके कहीं चला गया है। युवक को ढूंढने के लिए हम दोनों बाइक से निकले। बाइक तुषार चला रहा था। सुधाकर ने बताया कि हम पहले समोसा चौक, बबलू डेयरी, शनिवार मार्केट होते हुए श्रीराम चौक से नीचे यमुना की तरफ खाली मैदान में पहुंचे। तभी अचानक 4–5 कुत्ते उनकी ओर दौड़ पड़े, जिससे घबराकर तुषार ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। बाइक की लाइट खराब थी, इसी बीच बाइक मिट्टी के ढेर पर चढ़ गई और हम गड्ढे में जा गिरा। मैं (सुधाकर) आगे की ओर उछल कर गिरा, जबकि तुषार का सिर जोर से जमीन पर लगा। हादसे के बाद तुषार के मुंह से खून निकलने लगा। इसी दौरान तुषार की बहन का फोन आया, जिसे हादसे की जानकारी दी। कुछ ही देर में परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और तुषार को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सुधाकर के बयान पर 11 जनवरी को केस दर्ज किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

आबकारी मामला: केजरीवाल को जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई 8 मई को

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई के लिए मंगलवार को 8 मई की तारीख तय की। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने निर्देश दिया कि इस बीच मामले से संबंधित अधीनस्थ अदालत के रिकॉर्ड को मंगवाया जाए। मामले की सुनवाई शुरू होने पर, केजरीवाल के वकील ने न्यायाधीश से अनुरोध किया कि इस वक्त वरिष्ठ वकील के उपलब्ध नहीं रहने को ध्यान में रखते हुए सुनवाई कुछ समय बाद की जाए। अपराह्न के तीन बज चुके होने के मद्देनजर अदालत ने कहा, "फिर इसे किसी और दिन सुना जाएगा। पासओवर संभव नहीं है।" इसके बाद न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई के लिए 8 मई की तारीख तय कर दी। शीर्ष अदालत ने 12 जुलाई 2024 को केजरीवाल को धन शोधन मामले में अंतरिम जमानत दी थी, जबकि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ''गिरफ्तारी की आवश्यकता और अनिवार्यता'' के पहलू पर तीन सवालों को उच्च पीठ के पास भेज दिया। इससे पहले, 20 जून 2024 को, केजरीवाल को अधीनस्थ अदालत ने 1 लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी, लेकिन बाद में उच्च न्यायालय ने वर्तमान कार्यवाही में इस पर रोक लगा दी।

नरेला औद्योगिक क्षेत्र में गोदाम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसे काबू में करने के लिए दमकल विभाग की 14 गाड़ियों को मौके पर भेजना पड़ा। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बेसमेंट से लेकर दूसरी मंजिल तक फैल गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें देखकर आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई और कई लोग घरों से बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग पर काबू पाने के लिए घंटों तक प्रयास किए गए। अधिकारियों का कहना है कि आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया है, हालांकि पूरी तरह बुझाने का काम जारी है। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखे सामान के बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

दिल्ली-मुरादाबाद-बरेली तक फैले बड़े साइबर क्राइम सिंडिकेट का भंडाफोड़

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की ईस्ट जिला पुलिस टीम ने 'ऑपरेशन साइबर हॉक' के तहत एक संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर क्राइम सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। यह गैंग म्यूल बैंक अकाउंट्स (मध्यस्थ खाते) के जरिए देशभर में साइबर ठगी की रकम इकट्ठा कर रहा था, जिसे चीन स्थित मास्टरमाइंड्स नियंत्रित करते थे। पुलिस ने अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 4 लाख 70 हजार रुपये नकद , 7 बैंक डेबिट कार्ड, 14 मोबाइल फोन और 20 सिम कार्ड बरामद हुए हैं। जांच में कुल 85 म्यूल बैंक अकाउंट्स का पता चला है, जिनसे 15 करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध लेन-देन हुई हैं।

अब तक इन खातों से जुड़ी 600 से ज्यादा एनसीआरपी शिकायतें (राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल) सामने आई हैं। एक तमिलनाडु निवासी महिला की शिकायत पर शुरू हुई जांच में पांडव नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें येस बैंक के एक म्यूल अकाउंट से 6 हजार रुपये की ठगी का मामला था। जांच में

अकाउंट होल्डर मोहम्मद वसीम (शालीमार गार्डन, गाजियाबाद) का नाम सामने आया, जिसके नाम पर 4 अन्य बैंक अकाउंट्स भी मिले ।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद वसीम (25, गाजियाबाद) - जैकेट स्टिचिंग यूनिट चलाते थे, तोसीन मलिक (29, गाजियाबाद) गारमेंट फैक्ट्री, सबीर (36, सीमापुरी, दिल्ली) प्रॉपर्टी ब्रोकर , फुरकान उर्फ डॉ. शिनू (24, बदायूं) मेडिसिन स्टोर , साहिबे आलम (25 मुरादाबाद) , मोहम्मद जावेद (30, रामपुर) ,मोहम्मद राजा कादरी (35, बरेली) - बॉक्स मेकिंग फैक्ट्री - नूर मोहम्मद (24, ठाणे, महाराष्ट्र) - फ्रूट विक्रेता के रूप में हुई है। आरोपी व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए चीन स्थित ऑपरेटर्स से जुड़े थे। चीन के हैंडलर्स म्यूल अकाउंट्स के इंटरनेट बैंकिंग आईडी-पासवर्ड लेते थे, फिर एसएमएस फॉरवर्डर एपीके फाइल्स भेजते थे। इन एपीके से ओटीपी और बेनिफिशियरी कंट्रोल हासिल कर ठगी की रकम तुरंत कई लेयर्स में ट्रांसफर कर दी जाती थी। अंत में रकम USDT (क्रिप्टोकरेंसी) में बदलकर बिनेंस, बिटगेट जैसी प्लेटफॉर्म्स पर भेजी जाती थी। इस सफलता के पीछे स्पेशल स्टाफ ईस्ट की टीम है, जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर ने किया। टीम की देखरेख में एडिशनल डीसीपी संजय कुमार और एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस (ईस्ट) अभिषेक धानिया ने किया। ।पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और और आरोपियों तथा बड़े नेटवर्क के खुलासे होने की उम्मीद है। नागरिकों से अपील है कि किसी भी संदिग्ध कॉल/मैसेज पर पैसे ट्रांसफर न करें और तुरंत cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

मंत्री कपिल मिश्रा का आतिशी पर हमला, कहा-यह राजनीति नहीं, आस्था और सदन की गरिमा का मामला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने मंगलवार को बीते 6 जनवरी को दिल्ली विधानसभा में हुई घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष आतिशी मार्लेना पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह विवाद सिख धर्म के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर, भाई मतीदास, भाई सतीदास और भाई दयाला जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान कथित आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि इस घटना को दिल्ली विधानसभा के इतिहास में बेअदबी करार दिया गया।

उन्होंने कहा कि आतिशी द्वारा बोले गए शब्द आस्था के खिलाफ हैं और इन्हें किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। कपिल मिश्रा ने आरोप लगाया कि घटना के बाद से आतिशी लगातार मीडिया, जनता और विधानसभा से गायब हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बार-बार बुलाए जाने के बावजूद आतिशी ने अब तक सदन में आकर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की। मंत्री

ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके निर्देश पर इस पूरे मामले को दबाने के लिए पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस के संसाधनों का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने दावा किया कि लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए और डराने-धमकाने की कोशिशें की गईं। कपिल मिश्रा ने कहा कि यह मामला किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि आस्था और विधानसभा की गरिमा से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी मुकदमे, गिरफ्तारी या जेल जाने का डर नहीं है और यह लड़ाई कानूनी व राजनीतिक दोनों स्तरों पर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि 7 जनवरी को विधानसभा अध्यक्ष ने संबंधित वीडियो का वर्बेटिम सदन में पढ़ा था, जिस पर किसी भी सदस्य ने आपत्ति नहीं जताई, इसके बावजूद पंजाब पुलिस के जरिए कथित तौर पर झूठी एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान कपिल मिश्रा ने "आतिशी मार्लेना कहां हैं?" लिखे पोस्टर भी दिखाए और मांग की कि आतिशी भागने या छिपने के बजाय मीडिया और जनता के सामने आएं तथा विधानसभा की प्रिविलेज कमेटी और कानूनी प्रक्रिया का सामना करें। अंत में उन्होंने पंजाब पुलिस से अपील की कि वह राजनीतिक मामलों में उलझने के बजाय राज्य की सुरक्षा पर ध्यान दे।

चंद घंटों में दो मोबाइल स्नैचिंग केस सॉल्व, दो आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आउटर नॉर्थ जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मोबाइल स्नैचिंग मामलों को कुछ ही घंटों में सुलझा लिया। थाना भलस्वा डेयरी पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीने गए मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। 9 जनवरी को भलस्वा पुल, आउटर रिंग रोड के पास विकास नामक युवक से दो बदमाशों ने मोबाइल फोन छीन लिया। इसी दिन एक अन्य घटना में एमडी उबैद से दो युवकों ने मोटरसाइकिल पर आकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। इन दोनों मामलों में थाना भलस्वा डेयरी में एफआईआर दर्ज की गई। डीसीपी आउटर नॉर्थ हरेश्वर स्वामी ने बताया कि घटनाओं के पैटर्न को देखते हुए एएसआई रविंदर, हेड कांस्टेबल योगेंद्र, प्रतीक, दलराज

और भीम की एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की और दूसरी घटना के कुछ ही घंटों के भीतर बुराड़ी इलाके से दोनों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमांशु उर्फ ध्रुव हनुमान (22 वर्ष), निवासी हिमगिरी एन्क्लेव बुराड़ी और हर्षित आज़ाद (19 वर्ष) निवासी संत नगर बुराड़ी के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर लिया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 'नशा-मुक्त परिसर अभियान' शुरू

नशा-मुक्त कैंपस युवाओं और देश के भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'नशा-मुक्त परिसर अभियान' का शुभारंभ करते हुए देशभर में नशा-मुक्त परिसरों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, नशा-मुक्त और उद्देश्यपूर्ण युवा ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की मजबूत नींव हैं।

उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय केवल पढ़ाई के केंद्र नहीं, बल्कि मूल्य निर्माण, नेतृत्व विकास और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले संस्थान हैं। उन्होंने चेताया कि नशा केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक चुनौती, सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है, जिसका संबंध नार्को-आतंकवाद से भी जुड़ता है।

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर चरित्र, अनुशासन और उद्देश्यपूर्ण जीवन को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर सकते हैं। विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि ऐसे केंद्र हैं जहां मूल्यों का निर्माण होता है, नेतृत्व गढ़ा जाता है और राष्ट्र का भविष्य तय होता है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान नशे के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हैं, तो यह पूरे समाज को एक सशक्त संदेश देता है।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने 'नशामुक्त परिसर अभियान' के तहत एक समर्पित ई-प्रतिज्ञा मंच और मोबाइल एप का भी शुभारंभ किया। उन्होंने देशभर के विश्वविद्यालयों के छात्रों से इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने और नशामुक्त परिसर की शपथ लेने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से अपील की कि इस अभियान को सभी केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत एक युवा राष्ट्र है और मादक पदार्थों का दुरुपयोग केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक चुनौती, सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा और देश की जनसांख्यिकीय क्षमता के लिए खतरा है। उन्होंने चेताया कि नशा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन, पारिवारिक सौहार्द, उत्पादकता और राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिसका संबंध नार्को-आतंकवाद से भी है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ, नशामुक्त और लक्ष्यनिष्ठ युवा ही कौशल अर्जन, उद्यमिता और आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। भारत की प्राचीन परंपराओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने आत्मसंयम, मानसिक संतुलन और शुद्ध आचरण के महत्व को रेखांकित किया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा योग और ध्यान को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने 'माय भारत पोर्टल' और 'प्रधानमंत्री अनुसंधान योजना' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कार्यक्रम युवाओं की ऊर्जा को अनुसंधान, नवाचार, स्वैच्छिक सेवा और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल और छात्र कल्याण पर बल देकर इसी समग्र दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों, परामर्श तंत्र, छात्र-नेतृत्व वाली पहलों और विभिन्न हितधारकों के सहयोग से यह संस्थान एक आदर्श नशामुक्त परिसर के रूप में उभरेगा। उन्होंने छात्रों से सतर्क रहने, संकट में साथियों का सहयोग करने, नशे के खिलाफ आवाज उठाने और स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में नशा-मुक्त परिसर अभियान का शुभारंभ युवाओं और देश के भविष्य के प्रति एक दृढ़ प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान नशा-मुक्त भारत अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है और देश के करीब 16 लाख शैक्षणिक संस्थानों तक इसकी पहुंच यह दर्शाती है कि हमारे शैक्षणिक संस्थान ड्रग-फ्री इंडिया के अग्रिम मोर्चे पर हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छात्र कल्याण राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है और नशा-मुक्त परिसर अभियान पूरी तरह से एनईपी के विज़न के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि इस पहल के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय ने नशा-मुक्त उच्च शिक्षण संस्थानों की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए शिक्षकों और प्रशासकों से ऐसा कैंपस कल्चर विकसित करने का आग्रह किया, जिसमें छात्रों को शैक्षणिक सहयोग के साथ-साथ भावनात्मक सहयोग भी मिले।

प्रधान ने छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों से अपने-अपने परिसरों को नशा-मुक्त बनाने की प्रतिबद्धता लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि युवाशक्ति, समाज और राष्ट्र के प्रति एक सामूहिक संकल्प है, जिसे समर्पण, संवेदनशीलता और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

नोएडा : सिक्योरिटी गार्ड ने फांसी लगाकर दी जान

नोएडा। नोएडा में सूरजपुर थाना क्षेत्र के कस्बा सूरजपुर स्थित एचडीएफसी बैंक वाली गली में रहने वाले एक सिक्योरिटी गार्ड ने मंगलवार सुबह अपने घर में पंखे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की कस्बा सूरजपुर के एचडीएफसी बैंक वाली गली में स्थित एक मकान में रहने वाले अलीगढ़ निवासी सतबीर (25) ने अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच कर साक्ष्य जुटाया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जानकारी परिवार को दे दी गई है। अगर कोई तहरीर मिलती है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नोएडा। नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र के राधा कृष्ण मंदिर के पास बीती रात सोमवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच कर रही है। बिसरख थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि जतिन(21) पुत्र छत्रपाल ताज हाईवे के पास रहते थे। वह बीती रात सोमवार को गौर सिटी के पास स्थित राधा कृष्ण मंदिर के समीप से गुजर रहे थे, तभी एक अज्ञात ट्रक चालक ने उन्हें टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

विशुनपुरा सेक्टर 58 में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

नोएडा। नोएडा में सेक्टर 58 थाना क्षेत्र के विशनपुरा गांव में सोमवार देर रात को एक युवक ने मानसिक तनाव के चलते फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। थाना प्रभारी अमित कुमार ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात को थाना पुलिस को सूचना मिली कि बिशनपुर गांव में रहने वाले ललित राणा (24) ने अपने घर पर पंखे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक के पिता दिनेश राणा ने बताया कि वह सेक्टर 57 स्थित एक कंपनी में काम करता और बिशनपुर गांव में रहता था। मृतक के साथ उसका रूम पार्टनर आलोक शर्मा भी रहता था। वह जब बीती रात को अपनी कंपनी से काम करके वापस आया तो उसने दरवाजा खटखटाया। जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने ललित को फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। जब उसने खिड़की से देखा तो ललित पंखे के फंदे से लटका हुआ मिला। उसके बाद आलोक शर्मा ने मृतक के पिता दिनेश राणा को घटना की सूचना दी। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।आत्महत्या के कारण जानने के लिए पुलिस मृतक के परिवार और दोस्तों से पूछताछ कर रही है।

नोएडाः निवेश के झांसे में आया कारोबारी, साइबर ठगों ने 36 लाख रुपये और घर हड़प लिया

नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में रहने वाले एक कारोबारी को साइबर जालसाजों ने निवेश पर भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 36 लाख रुपये की साइबर ठगी कर ली। मुनाफे के चक्कर में कारोबारी ने अपना एक घर भी बेच दिया। इस मामले कारोबारी ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि गांव कासना निवासी एक शख्स ने पुलिस से शिकायत की है कि उसकी प्लास्टिक के पार्ट बनाने की फैक्टरी है। पिछले साल नवंबर महीने में एक जालसाज ने उससे संपर्क किया और खुद को शेयर मार्केट एक्सपर्ट बताया। आरोपी ने बताया कि स्टॉक मार्केट और विभिन्न आईपीओ में निवेश कर प्रतिमाह लाखों रुपये मुनाफा घर बैठे कमाया जा सकता है। कुछ दिन बाद आरोपी ने उन्हें एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ लिया। इसमें कई अन्य लोग पहले से ही जुड़े हुए थे। इस ग्रुप में निवेश संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा था। शुरू में पहली बार कम रकम निवेश की। इस पर उसे भरी मुनाफा हुआ तो भरोसा और बढ़ गया। इसके बाद कारोबारी ने रकम निवेश करना शुरू कर दिया। रकम जब कम पड़ी तो मुनाफे के चक्कर में पीड़ति ने अपना घर भी बेच दिया। नवंबर में पीड़ति ने करीब तीन लाख, दिसंबर में करीब साढ़े आठ लाख और जनवरी 2026 में 25 लाख रुपये निवेश किए। इसी बीच पीड़ति को पैसों की आवश्यकता पड़ गई। उसने मुनाफे समेत रकम निकालनी चाही तो ठगों ने विभिन्न करों का हवाला देते हुए और रकम ट्रांसफर करने के लिए कहा। पीड़ति के मना करने पर ठगों ने निवेश की हुई रकम वापस करने से मना कर दिया। इस संबंध में पीड़ति ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी। एडीसीपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

छात्रा ने प्रोफेसर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप, 1 हिरासत में

नोएडा। नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र में स्थित एक नामी कॉलेज से बी फार्मा चतुर्थ वर्ष की एक छात्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर कॉलेज फैकल्टी और प्रधानाचार्य पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा का आरोप है कि उसके प्रैक्टिकल के दौरान फैकल्टी प्रोफेसर ललित राणा ने शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और उसके साथ अश्लील हरकत की। जब उसका एक दोस्त उसे बचाने आया तो उसके साथ मारपीट की गई। उसे इतना पीटा गया कि उसके नाक और कान से खून आ गया। छात्रा ने इस मामले में दादरी थाना पुलिस से शिकायत की है।

छात्रा का आरोप है कि जब उसने मामले की शिकायत कॉलेज के प्रिंसिपल से की तो उन्होंने उसका और अन्य छात्राओं का बैक लगाकर कैरियर खत्म करने की बात कह कर डराया गया। छात्रा का आरोप है कि यह घटना उसके साथ ही नहीं कई अन्य छात्राओं के साथ भी घटित हुई है। फैकल्टी लड़कियों पर गंदी नजर रखता है तथा वह कुछ लड़कियों के साथ एक्स्ट्रा मैरिटियल रिलेशंस हैं। छात्रा ने कहा कि अगर मैनेजमेंट ने कोई सहायता नहीं की तो वह आत्महत्या कर लेगी। उसकी आत्महत्या के जिम्मेदारी फैकल्टी, प्रधानाचार्य और मैनेजमेंट की होगी।

इस संबंध में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गौतम ने मंगलवार को बताया कि पुलिस ने छात्रा के आरोपों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में एक आरोपित को पुलिस ने हिरासत में लिया है। वहीं मामले की जानकारी पर छात्रा के पक्ष में समाजवादी छात्र सभा उतर आई है और कॉलेज में काफी संख्या में छात्र-छात्राएं धरने पर बैठ गए ।सभा के जिलाध्यक्ष मोहित नागर ने कहा कि अगर छात्रा के साथ न्याय नहीं हुआ तो समाजवादी छात्र सभा अध्यापकों का मुंह काला करेगी। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

खनन माफिया के डंपर ने सिंचाई विभाग का बैरियर तोड़ा

दादरी। जारचा कोतवाली क्षेत्र में खनन माफिया की दबंगई सामने आई। उन्होंने सिंचाई विभाग की ओर से लगाए गए बैरियर को तोड़ दिया। यह बैरियर भारी वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए लगाया गया था। दरअसल, जारचा थाना क्षेत्र में सिंचाई विभाग ने प्यावली से नरौली तक नहर किनारे पटरी पर सड़क का निर्माण कराया है। इस सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही को रोकने के लिए दोनों तरफ लोहे के बैरियर लगाए गए थे। यह मार्ग हल्के वाहनों और ग्रामीणों की सुविधा के लिए है। ग्रामीणों के अनुसार रात के अंधेरे में इन बैरियर को तोड़ दिया गया। गांव वालों ने बताया कि खनन माफिया रात में भारी वाहनों में मिट्टी भरकर ले जाते हैं। इन वाहनों ने रास्ते में लगे बैरियर को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना को लेकर चोना नगला गांव के ग्रामीणों में भारी रोष है और उन्होंने इसकी शिकायत भी की है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन माफिया रात में ओवरलोड वाहनों में मिट्टी भरकर चलाते हैं, जिससे सड़क टूटने की कगार पर आ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

भूखंड के विवाद में जान से मारने की धमकी

नोएडा। भूखंड के विवाद में गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में केस दर्ज कराया गया है। शिकायत में आगाहपुर गांव निवासी विकास कुमार ने बताया कि बीते रविवार को वह दोस्त सतेंद्र को लेकर अपने रिश्तेदार मोहित कुमार के सेक्टर-130 स्थित भूखंड पर गए थे। वहां पर वाजिदपुर गांव निवासी रविंद्र सिंह कुछ अज्ञात व्यक्तियों के साथ आया। उसने मोहित के भूखंड को अपना बताकर खाली करने को कहा। विरोध करने पर उसने शिकायतकर्ता और उसके साथी को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

नोएडा पुलिस कमिश्नर का कड़ा एक्शन: बिसरख थाना प्रभारी और एसीपी हटाए गए, देर रात क्राइम मीटिंग में हड़कंप

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिला पुलिस आयुक्त ने सोमवार देर रात अपराध से जुड़ी बैठक (क्राइम मीटिंग) के दौरान बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए ग्रेटर नोएडा क्षेत्र बिसरख के थाना प्रभारी और संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) को उनके पद से हटा दिया। यह कार्रवाई हाल के दिनों में सामने आए कई आपराधिक मामलों और पुलिसिंग में लापरवाही को लेकर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते दिनों ग्रेटर नोएडा की ला रेजिडेंशिया सोसायटी में लिफ्ट के अंदर एक बुजुर्ग महिला से लूट के प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए थे। वीडियो के वायरल होने के बाद आम जनता और पुलिस अधिकारियों के बीच भी नाराजगी देखी गई। बताया जा रहा है कि इस घटना के अलावा भी थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध, मामलों के समय पर

खुलासे न होने और प्रभावी निगरानी की कमी को लेकर पुलिस आयुक्त पहले से ही असंतुष्ट थे। देर रात की अपराध से जुड़ी बैठक में इन सभी बिंदुओं की समीक्षा के बाद थाना प्रभारी बिसरख और संबंधित एसीपी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया। पुलिस आयुक्त ने बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि अपराध नियंत्रण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जल्द ही बिसरख थाने में नए प्रभारी की तैनाती किए जाने की संभावना है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है और अन्य थाना प्रभारियों को भी सतर्क रहने के संकेत मिले हैं।

नोएडा प्राधिकरण की जमीन पर अवैध निर्माण करने वाले 3 दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा। नोएडा के विभिन्न सेक्टरों और गांवों की जमीन पर अवैध रूप से निर्माण करने वाले लोगों के खिलाफ नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने मंगलवार को विभिन्न थानों में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 49 में नोएडा विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता प्रदीप कुमार अग्रवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बरौला गांव की जमीन पर जो कि नोएडा विकास प्राधिकरण की अधिसूचित क्षेत्र है, जय भगवान चौहान आदि ने अवैध रूप से बहु मंजिला इमारत बनायी है।

इसी प्रकार नोएडा विकास प्राधिकरण की अवर अभियंता ने मनीष गुप्ता, प्रवीण अग्रवाल, राजीव शर्मा, लोकेश शर्मा, आशीष शर्मा, भारत, अनुज, सनी गुप्ता, पुनीत सहित 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। अधिकारियों का आरोप है कि इन लोगों ने बरौला गांव की नोएडा विकास प्राधिकरण की जमीन पर अवैध रूप से निर्माण किया है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के अधिकारी विनीत कुमार

ने जाकिर हुसैन , सलीम, मोहम्मद साबिर, इस्लाम, शौकीन खान, मोहम्मद हनीफ, मोहम्मद आबिद, सैनी सैफी, आजाद, कलामुद्दीन सहित 13 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि ये लोग सोरखा गांव में नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता निखिल कुमार ने सुशील कुमार और अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि यह लोग ग्राम सोरखा में अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता निखिल मित्तल ने एक अन्य मामले में हरीश गुप्ता आदि को नामित करते हुए सोरखा गांव में अवैध निर्माण करने का मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारी विनोद कुमार ने सतीश शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उनका आरोप है कि यह लोग सोरखा गांव में अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारी विनीत कुमार शर्मा ने बिरजू, रणबीर और मांगेराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उनका आरोप है कि ये लोग सोरखा गांव में अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विनीत कुमार ने शिवांग ढाका निवासी सेक्टर 47 के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उनका आरोप है कि यह सोरखा गांव में अवैध रूप से निर्माण कर रहा है।

उन्होंने बताया कि वरिष्ठ प्रबंधक नोएडा विकास प्राधिकरण ने प्रवीण यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उनका आरोप है कि यह सोरखा गांव में अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता जय कुमार ने थाना सेक्टर 20 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि जगपाल पुत्र बलवंत सिंह, बृजमोहन पुत्र लोकेश, चंद्रपाल पुत्र घमंडी और सूरजभान आदि के खिलाफ अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज कराई है कि इन लोगों ने निठारी गांव में अवैध रूप से निर्माण किया है।

किराये के मकान के अंदर युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों में मचा कोहराम

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना सूरजपुर क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला सामने आया है। मंगलवार को डायल-112 के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि बालाजी डेयरी के पास स्थित एक किराये के मकान के अंदर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मकान का दरवाजा खुलवाकर अंदर जाकर जांच की गई। पुलिस जांच में मृतक की पहचान सत्यवीर निवासी गांव सरकोरिया थाना इगलास जिला अलीगढ़ के रूप में हुई है। जो वर्तमान में कस्बा व थाना सूरजपुर क्षेत्र में किराये पर रह रहा था। मृतक की उम्र लगभग 32 वर्ष बताई गई है। पुलिस

के अनुसार, मकान अंदर से बंद था। जिससे प्रथम दृष्टया किसी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश की संभावना कम प्रतीत हो रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि मौत किन परिस्थितियों में हुई। परिजन भी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच गए, जिनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस द्वारा मौके पर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल इसे संदिग्ध मौत मानते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्र में कुछ देर के लिए सनसनी फैल गई। थाना सूरजपुर पुलिस का कहना है कि सभी आवश्यक विधिक कार्यवाहियां की जा रही हैं। यदि किसी प्रकार का संदेहजनक तथ्य सामने आता है तो उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

अवैध निर्माण के आरोप में चार पर केस दर्ज

नोएडा। निठारी गांव में प्राधिकरण की जमीन पर अवैध निर्माण करने के मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-20 थाने में केस दर्ज कराया गया है। इस मामले में वर्क सर्किल-2 की ओर से शिकायत दी गई थी। वर्क सर्किल-2 के सहायक प्रबंधक जय कुमार ने बताया कि निठारी गांव में खसरा संख्या-258 और 309 पर प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है। गांव के चंद्रपाल शर्मा, सूरजभान अवाना, जगपाल, बृजमोहन ने इस जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा हुआ है। सभी आरोपी जमीन पर निर्माण कार्य भी कराते रहते हैं, जबकि नियमानुसार बिना अनुमति के निर्माण कार्य नहीं

कराया जा सकता है। कई बार निर्माण कार्य रुकवाया जा चुका है, लेकिन आरोपी मान नहीं रहे। प्राधिकरण की टीम जब निर्माण रुकवाने जाती है तो आरोपी अभद्रता करते हैं। आरोपियों की तरफ से रात में चोरी छिपे निर्माण कार्य जारी है। नोटिस और चेतावनी के बाद भी जमीन को कब्जामुक्त नहीं किया गया है। पुलिस नामजद आरोपियों से पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है।

ग्रेटर नोएडाः रेयान इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 12 के छात्रों को भावभीनी विदाई

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित रेयान इंटरनेशनल स्कूल के एम्फीथिएटर में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में बिताए गए सुनहरे पलों, मित्रता और शिक्षकों के मार्गदर्शन को याद करने का एक भावनात्मक एवं यादगार उत्सव बन गया। समारोह की शुरुआत रयान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ रयान पिंटो की गरिमामय उपस्थिति में सर्वशक्तिमान ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त कर की गई। इसके पश्चात विशेष प्रार्थना सभा आयोजित हुई, जिसमें कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए भावपूर्ण स्तुति और भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों ने विभिन्न भाषाओं में स्वागत भाषण देकर वरिष्ठ विद्यार्थियों के प्रति सम्मान और स्नेह प्रकट किया। विदाई समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपने स्कूल जीवन से जुड़े यादगार अनुभव साझा किए और अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रतिभाशाली छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित भी किया गया। प्रतीकात्मक उपाधियों में प्रत्युष कौल को 'रेयान प्रिंस' और अमेशी रघु को

'रेयान प्रिंसेस' चुना गया। अन्य पुरस्कारों में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए पलक, खेल में स्टार परफॉर्मर पुरस्कार के लिए स्काइलर राणा बिष्ट और सौम्या पाल, वाक्पटुता पुरस्कार के लिए पेशाल एन और सुरभि शर्मा को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अधिकतम भागीदारी के लिए विजयेंद्र ठाकुर, अर्नव सक्सेना और स्वस्तिक स्वैन को पुरस्कृत किया गया। सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार अद्विक कुमार को प्रदान किया गया। नृत्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए "निंबल फीट" पुरस्कार अनुषा और मोलश्री जुगरान को, गायन के लिए "नाइटिंगेल" पुरस्कार विश्व विजय नारायण सिंह, यशवी खंडेलवाल और निमिषा वर्मा को दिया गया। प्रौद्योगिकी में निपुणता के लिए प्रांजल तोमर, उत्साही पाठक के रूप में शगुन सिंह, गणित में विलक्षण प्रतिभा के लिए आर्यन कबीर तथा वाद्य यंत्र वादन में निपुणता के लिए सजीव योहन एबेनजीर और आदित्य सारस्वत को सम्मानित किया गया। विद्यालय की परंपरा का निर्वहन करते हुए कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों ने अपने कनिष्ठों को जिम्मेदारियां सौंपीं। इस अवसर पर सीईओ रयान पिंटो ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रेरणादायक संदेश दिया और उनके उज्ज्वल, सफल एवं समृद्ध भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रयान परिवार से मिले संस्कार और शिक्षा विद्यार्थियों को जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। समारोह के अंत में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से एक प्रेरणादायक पुस्तक और आकर्षक फोल्डर भेंट किया गया। केक काटने की रस्म और छात्र परिषद द्वारा "जर्नी एट रेयान" के माध्यम से शिक्षिकाओं के साथ भावनात्मक संवाद ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

नोएडा में सिकंदराबाद एसडीएम को दूषित पानी की बोतल भेंटकर किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के जोखाबाद (सिकंदराबाद) औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ते जल व वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को अनूठा प्रदर्शन करते हुए सिकंदराबाद के उप जिलाधिकारी दीपक पाल को सरकारी हैंड पंप से निकल रहे दूषित पानी की बोतल भरकर उपहार के रूप में भेंट की। वहीं दूषित पानी की समस्या के समाधान की मांग करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। धरना-प्रदर्शन के दौरान करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय व प्रेमराज भाटी ने बताया कि बुलंदशहर के अंतर्गत जोखाबाद औद्योगिक इकाइयां मानकों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही हैं। इस क्षेत्र की फैक्ट्रियां केमिकल युक्त दूषित जल को बोर के माध्यम से

जमीन में उतार रहे हैं। कुछ फैक्ट्रियां केमिकल युक्त पानी को खुलेआम नालों में छोड़ रहे हैं। दुषित एवं बदबूदार पानी की वजह से लोगों को सांस लेने में भी भारी दिक्कत हो रही है वहीं लगातार भूजल भी दूषित हो रहा है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की अधिकतर फैक्ट्रियों की चिमनियों से काला धुआं निकलता हुआ दिखाई देता है जो बड़े स्तर पर पर्यावरण को नष्ट कर रहा है एवं वायु प्रदूषण को बढ़ावा दे रहा है। वहीं फैक्ट्रियों के द्वारा लगातार ध्वनि प्रदूषण भी किया जा रहा है। चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लगातार हम लोग शिकायत कर रहे हैं लेकिन कार्यवाही के नाम पर कुछ नहीं हो रही है। इसके विरोध में क्षेत्र के विभिन्न गांव के सरकारी हैंड पंपों का दूषित पानी एसडीएम दीपक पाल को सौंपा गया।

इस दौरान कृष्णपाल यादव, ब्रह्मपाल कपासिया, मोहित अधाना, बसंत भाटी, वीर सिंह भाटी, मनोज अधाना, उमेश यादव, उधम सिंह, झम्मन सिंह, नीरज भड़ाना, भीम सिंह, चेतन अधाना, विजय प्रधान, सौरभ भाटी, राजकुमार पीलवान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

वैश्विक अर्थव्यवस्था से युवा चिंतित

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम) की दावोस में होने वाली वार्षिक बैठक से ठीक पहले जारी एक रिपोर्ट वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी नई पीढ़ी की चिंताओं और आकांक्षाओं की ओर इशारा करती है। फोरम की 'यूथ पल्स 2026' रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर के युवाओं की सबसे बड़ी आर्थिक चिंता अमीर गरीब के बीच बढ़ती असमानता है। सर्वे में यह भी सामने आया है कि बड़ी संख्या में युवा राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने को तैयार हैं। विश्व आर्थिक मंच की 'यूथ पल्स 2026: इनसाइट्स फ्रॉम द नेक्स्ट जेनरेशन फॉर ए चेंजिंग वर्ल्ड 2026' रिपोर्ट में यह जानने का प्रयास किया गया है कि अगली पीढ़ी तीव्र आर्थिक, राजनैतिक, तकनीकी और पर्यावरणीय परिवर्तनों को कैसे समझ रही है? और उन पर कैसे प्रतिक्रिया दे रही? सोमवार को जारी रिपोर्ट में बदलती दुनिया के लिए अगली पीढ़ी की सोच में 48.2 प्रतिशत युवाओं ने अमीर एवं गरीब के बीच बढ़ती असमानता को भविष्य को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा आर्थिक रुझान बताया है। हालांकि, अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में उद्यमिता को सबसे प्रभावशाली आर्थिक ताकत माना गया है। जो नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के प्रति बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सर्वेक्षण के मुताबिक 57 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने वित्तीय चिंताओं को तनाव का प्रमुख कारण बताया है। इस रिपोर्ट में 144 देशों और क्षेत्रों के 18 से 30 साल की उम्र के करीब 46 सौ युवाओं के विचार शामिल किए गए हैं। युवाओं ने सकारात्मक बदलाव लाने में सामुदायिक नेताओं को सबसे प्रभावी बताया गया है। जिससे स्थानीय और जवाबदेह नेतृत्व की मांग झलकती है। वहीं, 36 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वह राजनैतिक पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। सर्वेक्षण में जलवायु परिवर्तन युवाओं की सबसे बड़ी वैश्विक चिंता के रूप में सामने आया है। 56 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने दुनिया के लिए इसे सबसे बड़ा संकट बताया है। दो-तिहाई युवाओं का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से रोजगार पर भी असर पड़ेगा। हालांकि करीब 60 प्रतिशत युवा नियमित रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अपना कौशल बढ़ाने के लिए कर रहे हैं।इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर अगले सप्ताह स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली मंच की सालाना बैठक में व्यापक चर्चा होने की संभावना है।

तिल-गुड़ की मिठास में बसा सूर्य पर्व है 'मकर संक्रांति'

मकर संक्रांति केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का सजीव संकेत भी है। इसी दिन से वसंत ऋतु के आगमन की आहट मिलने लगती है। खरीफ की फसलें घरों तक पहुंच चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहाने लगती हैं। सरसों के पीले फूल खेतों में प्रकृति की मुस्कान बिखेरते हैं और किसान के श्रम का प्रतिफल उसकी आंखों के सामने साकार होने लगता है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को देशभर में फसलों के आगमन और कृषि समृद्धि के पर्व के रूप में भी देखा जाता है। यह उत्सव किसान के लिए आशा, संतोष और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक बन जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य देव अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह परिवर्तन केवल खगोलीय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से वर्षों पुरानी नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे, इसलिए यह पर्व पारिवारिक समरसता, क्षमा और संबंधों की पुनर्स्थापना का संदेश भी देता है।

-योगेश कुमार गोयल-

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का ऐसा प्राचीन पर्व है, जिसकी जड़ें केवल धार्मिक आस्था में ही नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि, खगोल विज्ञान और लोकजीवन की गहरी समझ में भी समाई हुई हैं। यह पर्व मूलतः सूर्य उपासना का उत्सव है, जिसे प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ भारत सहित अनेक देशों में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का महत्व इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि यह पर्व किसी पौराणिक कथा तक सीमित न होकर खगोलीय घटना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। इसी दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है और अपनी उत्तरायण यात्रा आरंभ करता है, जिसे अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और जड़ता से चेतना की ओर संक्रमण का प्रतीक माना गया है। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही है।

मकर संक्रांति केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का सजीव संकेत भी है। इसी दिन से वसंत ऋतु के आगमन की आहट मिलने लगती है। खरीफ की फसलें घरों तक पहुंच चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहाने लगती हैं। सरसों के पीले फूल खेतों में प्रकृति की मुस्कान बिखेरते हैं और किसान के श्रम का प्रतिफल उसकी आंखों के सामने साकार होने लगता है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को देशभर में फसलों के आगमन और कृषि समृद्धि के पर्व के रूप में भी देखा जाता है। यह उत्सव किसान के लिए आशा, संतोष और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक बन जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य देव अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह परिवर्तन केवल खगोलीय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना

मकर संक्रांति पर विशेष

गया है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से वर्षों पुरानी नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे, इसलिए यह पर्व पारिवारिक समरसता, क्षमा और संबंधों की पुनर्स्थापना का संदेश भी देता है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए इसी दिन तर्पण किया था, जिससे इस तिथि को पितृ तर्पण और पुण्यकर्म से भी जोड़ा गया।

खगोल विज्ञान की दृष्टि से मकर संक्रांति का महत्व अत्यंत वैज्ञानिक है। पृथ्वी की गोलाकार संरचना और उसके अक्ष पर झुके हुए भ्रमण के कारण दिन और रात की अवधि में परिवर्तन होता है। जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है, तब उत्तरी गोलार्द्ध में दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं और रातें छोटी होने लगती हैं। लोकभाषा में कहा जाता है कि मकर संक्रांति से दिन 'तिल-तिल' बढ़ता है। दिन की अवधि बढ़ने से खेतों में बोए गए बीजों को अधिक प्रकाश, ऊष्मा और ऊर्जा मिलती है, जिससे फसलों की वृद्धि बेहतर होती है। यही कारण है कि यह पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है और कृषि आधारित भारतीय समाज में इसका गहरा स्थान है। 'मकर' शब्द जहां मकर राशि की ओर संकेत करता है, वहीं 'संक्रांति' का शाब्दिक अर्थ है-संक्रमण या प्रवेश। सूर्य जब एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो उस खगोलीय घटना को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य वर्षभर में कुल बारह राशियों में क्रमशः प्रवेश करता है, परंतु मकर संक्रांति को सबसे महत्वपूर्ण इसलिए माना गया है क्योंकि यह उत्तरायण का प्रारंभ बिंदु है। भारतीय परंपरा में उत्तरायण काल को अत्यंत शुभ माना गया है। महाभारत में भी भीष्म पितामह ने उत्तरायण की प्रतीक्षा करते हुए देह त्याग किया था, जिससे इस काल की पुण्यता और अधिक स्थापित होती है।

मकर संक्रांति की एक विशिष्ट विशेषता यह भी है कि यह भारत का ऐसा पर्व है, जो लगभग पूरे देश में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, हालांकि इसके नाम, परंपराएं और स्वरूप क्षेत्र विशेष के अनुसार बदल जाते हैं। उत्तर भारत में यह पर्व कहीं लोहड़ी, कहीं खिचड़ी, कहीं माघी तो कहीं पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मध्य भारत में इसे सामान्यतः संक्रांति कहा जाता है, जबकि दक्षिण भारत में यही पर्व 'पोंगल' के रूप में महापर्व का दर्जा रखता है। कहीं इसे उत्तरायण कहा जाता है तो कहीं पौष संक्रांति। असम में यह भोगाली बिहू या माघ बिहू कहलाता है, तो बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। भारत की सीमाओं से बाहर भी मकर संक्रांति का सांस्कृतिक विस्तार देखने को मिलता है। नेपाल में यह माघे संक्रांति या खिचड़ी संक्रांति के रूप में मनाई जाती है। श्रीलंका में इसे पोंगल या उझवर तिरूनल कहा जाता है। बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कंबोडिया में मोहा संगक्रान और लाओस में पि मा लाओ के नाम से यह पर्व मनाया जाता है। यह तथ्य दर्शाता है कि सूर्य, ऋतु और कृषि से जुड़ा यह पर्व सीमाओं से परे मानव सभ्यता का साझा उत्सव है।

हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को अत्यंत पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन तीर्थ स्नान, दान, जप और श्राद्धकर्म को विशेष फलदायी कहा गया है। गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा जैसी पवित्र नदियों के तटों पर लाखों श्रद्धालु इस दिन स्नान के लिए एकत्र होते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति पर लगने वाला मेला इस पर्व की विराटता और आस्था की गहराई का जीवंत उदाहरण है। कहा जाता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से न केवल आध्यात्मिक शुद्धि होती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। मकर संक्रांति पर तिल का विशेष महत्व है। तिल को शुद्धता, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। इस दिन तिल-गुड़ से बने व्यंजनों का सेवन और दान करने की परंपरा लगभग पूरे देश में देखने को मिलती है। माना जाता है कि तिल और गुड़ शरीर को ऊष्मा प्रदान करते हैं और शीत ऋतु में स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। यही कारण है कि इस पर्व पर 'तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो' जैसी लोक कहावतें सामाजिक सौहार्द और आपसी संबंधों में मधुरता का संदेश देती हैं।

जिन्ना विभाजन के खलनायक और कांग्रेस की नजर में आज भी है 'जी'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और विभाजन का इतिहास आज की हर देश भक्त को दर्द से भर देता है। मध्य प्रदेश के इंदौर में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब द्वारा दिए गए बयान ने इसी इतिहास को एक बार फिर बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं का उल्लेख करते हुए 'जिन्ना' को सम्मानसूचक भाषा में याद करना वास्तव में शब्दों की चूक नहीं माना जा सकता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे देश की स्वाधीनता के बलिदानियों के बलिदान का अपमान बताते हुए कांग्रेस की मानसिकता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। वस्तुतः यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह कांग्रेस के ऐतिहासिक फैसलों, उसकी वैचारिक दिशा और विभाजन की त्रासदी में उसकी भूमिका को फिर से कठघरे में लाता है।

क्या यह भुलाया जा सकता है कि जिन्ना 1947 के विभाजन के मुख्य प्रतीक और सूत्रधार थे? ऐसे व्यक्ति को "महापुरुष" जैसी भाषा में याद करना उन लाखों लोगों के घावों को कुरेदने जैसा है, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपना घर, परिवार और जीवन खो दिया। निश्चित ही भाजपा नेता आशीष ऊषा अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाया है। उनका ये कहना, "पहले ओसामा जी, अब जिन्ना जी- यह कांग्रेस की सोच का आईना है।" वास्तव में इस सोच को देखकर आज यही कहना उचित होगा कि कांग्रेस की राजनीति में राष्ट्र पहले नहीं, बल्कि तुष्टिकरण और वैचारिक भ्रम सबसे पहले आता है।

आज हम यदि भारत विभाजन और इतिहास के आइने में देखें तो फिर से ये साफ हो जाता है कि जिन्ना का राजनीतिक जीवन विभाजनवादी था। आर.सी. मजूमदार अपनी ऐतिहासिक कृति The History and Culture of the Indian People में लिखते हैं कि 1937 के बाद जिन्ना ने मुस्लिम समुदाय के भीतर असुरक्षा और भय की भावना को राजनीतिक हथियार बनाया। यहीं से दो-राष्ट्र सिद्धांत को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया गया। यह सिद्धांत इस विचार पर आधारित था कि हिंदू और मुस्लिम अलग-अलग राष्ट्र हैं और साथ नहीं रह सकते। यह अवधारणा भारत की साझा संस्कृति और इतिहास को नकारती थी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को भी गहरा करती थी।

1940 का लाहौर प्रस्ताव इस दिशा में निर्णायक कदम साबित हुआ। बिपिन चंद्र अपनी पुस्तक India's Struggle for Independence में लिखते हैं कि यह प्रस्ताव भारत के एकीकृत राष्ट्रवाद पर सीधा हमला था। जिन्ना ने इसे मुस्लिमों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा का माध्यम बताया, लेकिन वास्तव में यह विभाजन की औपचारिक घोषणा थी। इसके बाद की राजनीति में समझौते की संभावनाएं लगातार कमजोर होती गईं।

विभाजन की ओर बढ़ते कदमों में सबसे भयावह अध्याय 16 अगस्त 1946 का 'डायरेक्ट एक्शन डे' था। जिन्ना द्वारा घोषित इस आंदोलन का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार और कांग्रेस पर पाकिस्तान की मांग स्वीकार करने का दबाव बनाना था। रामचंद्र गुहा ने अपनी पुस्तक India After Gandhi में जानकारी दी है कि 'इस दिन की हिंसा ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिन्ना की राजनीति अब संवाद नहीं, टकराव और हिंसा के रास्ते पर चल पड़ी थी। कलकत्ता से शुरू हुई हिंसा ने पूरे देश में आग की तरह फैलकर हजारों लोगों की जान ले ली।'

यहां कांग्रेस की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है। स्वतंत्रता आंदोलन की अगुआ कांग्रेस विभाजन को रोकने में क्यों असफल रही? ए.जी. नूरानी (The Muslim League and the Partition of India) के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व जिन्ना की हठधर्मिता और ब्रिटिश सरकार की "फूट डालो और राज करो" नीति का सही आकलन नहीं कर पाया। कैबिनेट मिशन योजना, जोकि भारत को एक रखने का अंतिम अवसर थी, आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार की भेंट चढ़ गई।

1947 में माउंटबेटन योजना के तहत विभाजन को स्वीकार करना कांग्रेस का सबसे विवादास्पद निर्णय माना जाता है। जसवंत सिंह अपनी पुस्तक Jinnah: India, Partition, Independence में इसलिए ही इन्हीं सब तथ्यों की गहराई से पड़ताल करते हैं और बताते हैं कि सत्ता हस्तांतरण की जल्दबाजी ने कांग्रेस नेतृत्व को दीर्घकालिक परिणामों पर गंभीर विचार करने से रोक दिया। सीमाओं का निर्धारण जल्दबाजी में हुआ, जिससे अभूतपूर्व नरसंहार और विस्थापन हुआ। इस संदर्भ में उर्वशी बुटालिया की पुस्तक (The Other Side of Silence) भी देखी जा सकती है जो विभाजन को इतिहास का सबसे बड़ा मानवीय विस्थापन बताती हैं। करीब डेढ़ करोड़ लोग अपने घरों से उजड़ गए और लाखों मारे गए। यह त्रासदी सिर्फ जिन्ना की जिद का परिणाम नहीं कही जा सकती है, वास्तव में यह तो कांग्रेस की राजनीतिक कमजोरियों और गलत आकलनों का भी नतीजा थी।

आज, जब यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जिन्ना का उल्लेख सम्मानजनक शब्दों में किया जाता है, तब यह इतिहास के उन तमाम घावों को फिर से हरा कर देता है जोकि संघर्ष, बलिदान और समर्पण से भरा हुआ है, इसमें असंख्य मासूमों की चीखें है, जिसके लिए निश्चित ही कांग्रेस कभी अपने को अपराध से मुक्त नहीं कर सकती है, क्योंकि वही इसके लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है, क्योंकि नेतृत्वकर्ता भी उस वक्त वही थी।

ऐसे में भाजपा नेताओं का कहना है कि यह कांग्रेस की वही पुरानी मानसिकता है, जो तुष्टिकरण के लिए ऐतिहासिक सच्चाइयों को धुंधला करती है, एक तरह से देखें तो आज पूरी तरह से सही नजर आता है। उसके आचरण से तो यही भाव झलकता है कि कांग्रेस अब भी विभाजन के सबक से नहीं सीख पाई है। फिर प्रश्न शब्दों का नहीं, सोच का भी है, जोकि भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के बलिदानियों के साथ जिन्ना को "इतिहास का मुख्य पात्र" बनाकर 'जी' के सम्बोधन के साथ पेश करती है।

ऐसे में स्वभाविक तौर पर एक बार फिर कांग्रेस की वैचारिक दिशा पर गंभीर प्रश्न खड़े होते दिखते हैं। ये तो सभी को समझना होगा कि जिन्ना का नाम भारतीय इतिहास में विभाजन, हिंसा और अलगाव से जुड़ा रहेगा, इसे कोई कभी नकार नहीं सकता है, क्योंकि जब तक इतिहास का अस्तित्व है। जिन्ना भारत के लिए एक खलनायक ही है । कांग्रेस यदि आज भी इस सच्चाई को स्वीकार करने और अपनी ऐतिहासिक भूलों पर ईमानदार आत्ममंथन करने से बचती है, तब फिर यही समझा जाए कि वह भारत से वास्तविक प्रेम नहीं करती। उसका आचरण देशभक्ति के संदर्भ में सिर्फ दिखावा है !

जिनालय के शिखर का महत्व

जिस प्रकार समवशरण के ऊपर अशोक वृक्ष होता है उसी प्रकार मंदिर में अशोक वृक्ष के प्रतीक रूप शिखर बनाया जाता है एवं जो लोग परिस्थितिवश मंदिर नहीं जा पाते तो वह दूर से ही शिखर की वंदना करके पुण्यार्जन कर लेते हैं और यदि ऊपर से देवता आदि के विमान निकलते है तो ऊंचे-ऊंचे शिखर देखकर वे भी जिनालय के दर्शन का लाभ उठा पाते हैं। इसलिए भी मंदिर में शिखर बनाए जाते हैं एवं जैसे अशोक वृक्ष के नीचे जाने पर सारे शोक नष्ट हो जाते हैं उसी प्रकार मंदिर के शिखर के नीचे जाकर (परमात्मा) की उपासना करने से भी सारे शोक नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के शिखर प्रकृति, से विशुद्ध परमाणुओं को संग्रहीत कर मंदिर में नीचे पहुंचते हैं, जिससे मंदिर का वातावरण शुद्ध बना रहता है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मंदिर में शिखर बनाए जाते हैं। कलश मंगल एवं पूर्णता का प्रतीक होते हैं। मानव जब परमात्मा की सतत साधना करता है तो पूर्ण या परमात्मा हो जाता है, मानव का क्रमिक विकास ही परमात्मा हैं जिस तरह से कलश सबसे नीचे बड़ा उसके ऊपर दूसरा उससे छोटा फिर तीसरा उससे छोटा अर्थात क्रम-क्रम से शून्यता की ओर पहुंचता है वैसे ही मनुष्य जैसे-जैसे आकांक्षा, कामना, वासना से छूटता है वैसे ही मनुष्यता को उपलब्ध होकर परमात्मा तत्व को प्राप्त कर लेता है। इसी बात की प्रेरणा हेतु मंदिर के शिखर पर कलश चढ़ाए जाते हैं। मंदिर जी में हो रही भक्ति, पूजन, मंत्र आदि की शब्द वर्गणा को मंदिर के ऊपर की ओर खींचकर ध्वजा के माध्यम से वह पुद्गल शब्द वर्गणा सर्वत्र हवाओं को स्पर्शित होकर व्याप्त होती है और जहां-जहां वह हवा जाती है, वहां-वहां का वातावरण शुद्ध, शांत, सात्विक, धार्मिक होता जाता है। इसलिए कलश के ऊपर ध्वजा लगाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हर दिन लोग मंदिर जाकर भगवान की पूजा करते हैं लेकिन किसी कारण से मंदिर नहीं जा पाते हैं तो शास्त्रों में उनके लिए भी उपाय बताया गया है कि मंदिर ना जाने से भी मंदिर जाने का पुण्य मिलता है। माना जाता है कि मंदिर के अंदर नहीं जा पा रहे हैं तो बाहर से ही मंदिर के शिखर को प्रणाम कर सकते हैं। माना जाता है कि शिखर दर्शन से भी उतना पुण्य मिलता है जितना मंदिर में प्रतिमा के दर्शन करने से मिलता है। शास्त्रों में कई जगह लिखा गया है कि शिखर दर्शनम पाप नाशम। इसका अर्थ है कि शिखर के दर्शन कर लेने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।

आज का इतिहास

1514 - पोप लियो एक्स ने दासता के विरुद्ध आदेश पारित किया।
1641 - यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी ने मलक्का शहर पर विजय प्राप्त की।
1659 - एलवास के युद्ध में पुर्तगाल ने स्पेन को पराजित किया।
1758 - इंग्लैंड के सम्राट के एक अधिकार पत्र के तहत ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में कंपनी या सम्राट के खिलाफ किसी भी युद्ध में लूटे गये धन एवं सम्पत्ति को रखने का अधिकार मिला।
1758 - ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में लड़ाई में जीती हुई संपत्ति अपने पास रखने का अधिकार इंग्लैंड नरेश ने दिया।
1760 - फ्रांसीसी जनरल लेली ने पांडिचेरी अंग्रेज़ों के हवाले कर दिया।
1761 - पानीपत की तीसरी लड़ाई मराठों और अहमदशाह अब्दाली के बीच हुई।
1761 - भारत में मराठा शासकों और अहमदशाह दुर्रानी के बीच पानीपत का तीसरा युद्ध हुआ।
1809 - इंग्लैंड और स्पेन ने 'नेपोलियन बोनापार्ट' के खिलाफ गठबंधन किया।
1784 - अमरीका ने ब्रिटेन के साथ शांति संधि की पुष्टि की।
1858 - नेपोलियन तृतीय की हत्या की साजिश का भंडाफोड़ हुआ।
1867 - पेरू ने स्पेन के ख़िलाफ जंग का ऐलान किया।
1907 - जमैका में भूकंप से किंगस्टन शहर तबाह हो गया और एक हज़ार से अधिक लोग मारे गये।
1907 - जमायका में आये भूकम्प में करीब 1000 लोगों की मौत हो गई।
1912 - रेमंड पोंकारे फ्रांस के प्रधानमंत्री बने।
1918 - फ्रांस के पूर्व प्रधानमंत्री जोसेफ कैलाक्स को देशद्रोह के आरोप में गिरफ़्तार किया गया।
1950 - ईरान में मुहम्मद सईद ने सरकार का गठन किया।
1954 - जगदगुरु कृपालु महाराज ने 7 दिनों तक 500 हिन्दू विद्वानों के समक्ष भाषण दिया। उन्हें पाँचवाँ जगदगुरु चुना गया।
1962 - अल्जीरिया के शहरों में आतंकवादी हमलों में 6 लोग मारे गये।
1966 - इंडोनेशिया ने राष्ट्रसंघ स्थित अपना मिशन बंद कर दिया।
1966 - भारत के दक्षिणी राज्य मद्रास का नाम बदलकर तमिलनाडु किया गया।

हंगामा क्यों है बरपा अजीत डोभाल के बयान पर ?

-मनोज कुमार अग्रवाल-

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के उद्घाटन समारोह में युवाओं से सीधा संवाद किया।उन्होंने सीधे और सपाट शब्दों में भारत के अतीत के कालक्रम पर खुल्ला टिप्पणी करते हुए युवाओं से देश के दर्दनाक इतिहास का बदला लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी गुलामी हमलों और अधीनता के इतिहास का बदला लेना चाहिए लेकिन यह बदलाव सशक्त और महान भारत के पुनर्निर्माण के रूप में होना चाहिए। अब डोभाल के इसी संबोधन के कुछ लाइन व शब्दों को लेकर देश की विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने गंभीर आपत्ति और आलोचना शुरू कर दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के इतिहास के लिए 'बदले' से जुड़े बयान पर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि इस तरह की भाषा नफरत को बढ़ावा देती है और मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने का काम करती है, जिससे एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी पर सवाल उठते हैं।महबूबा मुफ्ती ने अपनी पोस्ट में लिखा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि अजित डोभाल जैसे उच्च पद पर बैठे अधिकारी, जिनकी जिम्मेदारी देश को आंतरिक और बाहरी साजिशों से बचाने की है, उन्होंने नफरत से जुड़ी एक सांप्रदायिक सोच का साथ चुना है और मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने की कोशिश की है।

आप को बता दें कि दरअसल, यह पूरा विवाद उस बयान के बाद सामने आया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने दिल्ली में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में दिया था। अपने संबोधन में डोभाल ने कहा, आज का स्वतंत्र भारत हमेशा से उतना स्वतंत्र नहीं था, जितना अब दिखाई देता है। इसके लिए हमारे पूर्वजों ने बड़े बलिदान दिए। उन्होंने गहरे अपमान सहे और लंबे समय तक बेबसी के दौर देखे। कई लोगों को फांसी पर चढ़ाया गया। हमारे गांव जलाए गए। हमारी सभ्यता को नष्ट किया गया। हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम मूक दर्शक बनकर देखते रह गए। यह इतिहास आज के भारत के हर युवा के सामने एक चुनौती रखता है, जिसके भीतर यह आग होनी चाहिए। अजित डोभाल ने कहा, बदला शब्द शायद सही न लगे, लेकिन बदला अपने आप में एक बड़ी ताकत है। हमें अपने इतिहास के लिए बदला लेना होगा। हमें इस देश को उस स्थिति तक वापस ले जाना है, जहां हम अपने अधिकारों, अपने विचारों और अपने विश्वासों के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें। उन्होंने आगे कहा, हमारी सभ्यता बेहद विकसित थी। हमने कभी किसी के मंदिर नहीं तोड़े। हमने कहीं जाकर लूटपाट नहीं की। जब दुनिया का बड़ा हिस्सा बेहद पिछड़ा हुआ था, तब हमने किसी देश या किसी विदेशी लोगों पर हमला नहीं किया। लेकिन हम अपनी सुरक्षा और खुद पर मंडराते खतरों को समझने में असफल रहे। जब हम उनके प्रति उदासीन बने रहे, तब इतिहास ने हमें एक सबक सिखाया। क्या हमने वह सबक सीखा। क्या हम उस सबक को याद रखेंगे। अगर आने वाली पीढ़ियां उस सबक को भूल गईं, तो यह इस देश के लिए सबसे बड़ी त्रासदी होगी। आपको बता दें कि इस यूथ सम्मिट में अजीत डोभाल ने भारत के भविष्य, नेतृत्व, शक्ति, आत्मविश्वास और ऐतिहासिक अनुभवों पर विस्तार से बात की। डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, अगर यह इसी तरह "ऑटोपायलट" पर भी चलता रहे, तो भी भारत का विकसित राष्ट्र बनना तय है। डोभाल ने कहा कि युद्ध राष्ट्र की इच्छाशक्ति के लिए लड़े जाते हैं। हम साइकोपैथ (मनोरोगी) नहीं हैं, जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष या सुकून मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जाती। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी देश का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं, ताकि वह हमारी शर्तों पर आत्मसमर्पण करें और हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत में अजीत डोभाल ने बेहद सादगी और आत्मीयता के साथ युवाओं से खुद को जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनका कार्यक्षेत्र और अनुभव युवाओं से काफी अलग है और उम्र का अंतर भी बहुत बड़ा है। डोभाल ने कहा, "आपमें से अधिकांश मुझसे 60 साल से ज्यादा छोटे हैं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि आजादी से पहले हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है। इसलिए मैं यह सोचकर असमंजस में था कि यहां आऊं या नहीं।" उन्होंने स्वीकार किया कि आज के बदलते दौर में तकनीक, सोच और जीवनशैली इतनी तेजी से बदल रही है कि वह सब कुछ जानने का दावा नहीं कर सकते, लेकिन कुछ मूल बातें ऐसी हैं, जो हर पीढ़ी को जोड़ती हैं।

युवाओं को संबोधित करते हुए एनएसए डोभाल ने निर्णय लेने की क्षमता को जीवन का सबसे अहम कौशल बताया। उन्होंने कहा कि चाहे समय बदले या तकनीक, इंसान के फैसले ही उसकी पहचान बनाते हैं। उनके शब्दों में, "एक छोटी सी बात है जो आपके पूरे जीवन की दिशा तय करती है—आपकी निर्णय लेने की क्षमता। आप रोज छोटे-बड़े फैसले लेते हैं। जैसे-जैसे आपकी उम्र और जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, फैसलों का महत्व और बढ़ता जाएगा।" डोभाल ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत के भविष्य को लेकर उन्हें किसी तरह का संदेह नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "भारत विकसित होगा, यह निश्चित है। इस पर कोई सवाल नहीं है।" अपने संबोधन में अजीत डोभाल ने वैश्विक हालात और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे अधिकांश युद्ध और टकराव इस बात का नतीजा हैं कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। डोभाल ने कहा, "अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। लेकिन अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो आपकी सारी शक्ति, हथियार और संसाधन बेकार हैं।" उन्होंने भारत के वर्तमान नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश को ऐसा नेतृत्व मिलना सौभाग्य की बात है, जिसकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा है।

डोभाल ने नेतृत्व के महत्व को समझाने के लिए फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, "नेपोलियन ने एक बार कहा था, मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1000 शेरों से नहीं डरता, लेकिन एक शेर के नेतृत्व में 1000 भेड़ों से डरता हूं।" इस कथन के जरिए उन्होंने यह संदेश दिया कि नेतृत्व केवल पद या शक्ति का नाम नहीं है, बल्कि दिशा, आत्मविश्वास और साहस देने की क्षमता का नाम है। 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में डोभाल ने इतिहास का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत का वैश्विक नेतृत्व कोई नई बात नहीं है। उन्होंने 'विश्व अर्थव्यवस्था का इतिहास' नामक प्रसिद्ध पुस्तक का उल्लेख किया, जिसे मंब्रिज विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने लिखा था। डोभाल के अनुसार, "जब जापान का उदय हो रहा था, तब पश्चिमी दुनिया में यह बहस शुरू हुई कि क्या कोई एशियाई देश पश्चिम से आगे निकल सकता है। इसी अध्ययन के तहत यह किताब लिखी गई।" उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में पहली से उन्नीसवीं शताब्दी तक का आर्थिक इतिहास दर्ज है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि करीब 1700 वर्षों तक भारत और कभी-कभी चीन विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करते रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व ए-152, सैक्टर 63, नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से प्रकाशित।
संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई.- UPHIN/2023/84499
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

मध्य प्रदेश कैबिनेट की बैठक में लिया बड़ा फैसला

प्रदेश स्पेस टेक नीति-2026 को दी मंजूरी

● मध्य प्रदेश में शिक्षकों के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना लागू करने व 322 करोड़ 34 लाख रुपये की स्वीकृति

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के हित में बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट ने स्पेस टेक नीति–2026 को मंजूरी दे दी।

इसके साथ ही सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 800 मेगावाट बिजली से संबंधित तीन एजेंडों को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा शिक्षकों के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना को लागू कर 322 करोड़ 34 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। बैठक में मुख्यमंत्री सहित मंत्रि-परिषद के सदस्य टैबलेट के साथ शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस संबंध में बताया कि मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में उपलब्ध 322 औद्योगिक पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर और 31 गीगावाट की बिजली आपूर्ति, उत्कृष्ट शैक्षणिक सस्थानों आदि संसाधनों एवं अनुकुल वातावरण के दृष्टिगत अंतरिक्ष-ग्रेड विनिर्माण की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य में मप्र स्पेसटेक नीति-2026 लागू करने की स्वीकृति दी है। यह नीति उपग्रह निर्माण, भू स्थानिक विश्लेषण और डाउन स्ट्रीम अनुप्रयोगों में नवाचार को बढ़ावा देगी। प्रदेश में आगामी 5 वर्ष में एक हजार करोड़ का निवेश और लगभग 8 हजार का रोजगार सृजन होगा। इस पर अनुमानित वित्तीय भार 628 करोड़ रुपये आएगा।

उन्होंने बताया कि इस नीति के लागू होने से प्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (स्पेसटेक) क्षेत्र में एक मजबूत केंद्र बनने की ओर अग्रसर होगा। इस नीति के लागू होने से राज्य अंतरिक्ष उद्योग को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे और अनुसंधान सहायता के माध्यम से अपनी रणनीति बना सकेगा। यह नीति उपग्रह निर्माण, भू-स्थानिक विश्लेषण, और डाउन स्ट्रीम अनुप्रयोगों (जैसे कृषि, आपदा प्रबंधन, और शहरी नियोजन) में नवाचार को बढ़ावा देगी, जिससे आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक मान्यता प्राप्त होगी। नव प्रवर्तन और अनुसंधान अंतर्गत स्पेसटेक उत्कृष्टता केंद्र एवं इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित होगा, जिससे राज्य सरकार द्वारा एकीकृत स्पेसटेक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जा सकेगी।

मध्य प्रदेश में स्पेसटेक नीति-2026 के क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश के माध्यम से नवीन रोजगार सृजित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी। शुक्ल ने बताया कि बैठक में मंत्रि-परिषद द्वारा शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, शिक्षक तथा नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए एक जुलाई 2023 अथवा उसके बाद की तिथि से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर, चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना प्रभावशील किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए 322 करोड़ 34 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने द्वितीय चरण के लिए 200 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय की स्थापना के लिए अनुमानित व्यय 3 हजार 660 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। द्वितीय चरण के प्रस्तावित विद्यालयों की क्षमता एक हजार से अधिक होगी।

शुक्ल ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने जिला मऊगंज में हुई घटना में दिवंगत सहायक उप निरीक्षक स्व. रामचरण गौतम के परिवार को 90 लाख रुपये की श्रद्धा निधि देने की स्वीकृति दी गयी। उल्लेखनीय है कि दिवंगत स्व. गौतम के परिवार को 10 लाख रुपये की विशेष अनुग्रह राशि पूर्व में 1 अप्रैल 2025 को प्रदान की जा चुकी है। मऊगंज जिले थाना शाहपुर अंतर्गत ग्राम गडरा में एक परिवार के लोगों को समुदाय के लोगों ने बंधक बना लिया था। घर के अंदर एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के बाद शव को अभिरक्षा में लेने के दौरान समुदाय ने पुलिस अमले पर हमला कर दिया था। हमले में गौतम ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए कर्तव्य का पालन किया और वीर गति को प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन सोलर सह स्टोरेज प्रदाय परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वीकृति अनुसार रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही परियोजना के अंतर्गत सोलर-सह चार घंटे 300 मेगावाट, सोलर सह छह घंटे 300 मेगावाट औ सोलर-सह 24 घंटे 200 मेगावाट विद्युत प्रदाय की सिंगल साइकिल चार्जिंग आधारित ऊर्जा भंडारण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना से राज्य में पीक डिमांड के समय भी सस्ती, स्वच्छ एवं भरोसेमंद विद्युत उपलब्ध हो सकेगी।

इसी प्रकार पवन ऊर्जा परियोजनाओं से ऊर्जा की उपलब्धता भी अनिश्चित रहती है, क्योंकि यह पवन की उपलब्धता एवं गति पर निर्भर करती है। मध्य प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी, ग्रिड स्थिरता की आवश्यकता, पीक-डिमांड प्रबंधन तथा विद्युत की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा आधारित ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं की स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ और रायसेन जिले की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 898 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार राजगढ़ जिले की सारंगपुर तहसील की मोहनपुरा विस्तारीकरण (सारंगपुर) सिंचाई परियोजना लागत 396 करोड़ 21 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे सारंगपुर तहसील के 26 ग्रामों की 11,040 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी, जिसमें 10 हजार 400 कृषक परिवार लाभांवित होंगे। मंत्रि-परिषद ने रायसेन जिले की सुल्तानपुरा उद्वहन सिंचाई परियोजना लागत 115 करोड़ 99 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इससे सुल्तानपुर तहसील के 20 ग्रामों की 5,700 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी, इसमें 3,100 कृषक परिवारों को लाभ होगा। रायसेन जिले की बरेली तहसील की बारना उद्वहन सिंचाई परियोजना लागत 386 करोड़ 22 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इससे बरेली तहसील के 36 ग्रामों की 15 हजार हैक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसमें 6,800 कृषक परिवार लाभांवित होंगे।

प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में अधोसंरचना विकास के लिए ₹मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना पंचम चरण₹ को 3 वर्षों (वित्तीय वर्ष 2026-27 एवं 2028-29) के लिए 5 हजार करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गयी है। योजनान्तर्गत मास्टर प्लान की सड़कें जिले की प्रमुख और अन्य रोड तथा शहर की प्रमुख सड़कों का निर्माण तथा अनुषांगिक कार्य, सडक सुरक्षा एवं शहरी यातायात सुधार, शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति/ सीवरेज/ अन्य परियोजनाओं में गैप कवरेज से संबंधित कार्य, इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन ड्रेन तथा एसटीपी निर्माण संबंधी कार्य एवं राज्य शासन की प्राथमिकता के कार्य किये जा सकेंगे। योजना का क्रियान्वयन नगरीय निकायों द्वारा किया जायेगा। इस योजना के लागू होने से विभिन्न शहरों में आवश्यक अधोसंरचनाएँ उपलब्ध हो सकेंगी। मंत्रि-परिषद ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन शहर की जल आवर्धन योजना लागत 1,133 करोड़ 67 लाख रुपये, ग्वालियर व्यापार मेला-2026 एवं उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2026 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट देने और वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के निर्धारण के लिए मंत्रि-परिषद समिति गठन की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मनरेगा की बहाली और वीबी-जी रामजी कानून वापसी तक संघर्ष जारी रहेगा : सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बहाल किए जाने और विकसित भारत—रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी रामजी) अधिनियम को निरस्त किए जाने तक संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को बेंगलुरु स्थित गायत्री विहार में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) की ओर से आयोजित 'महात्मा गांधी उद्योग प्रगति योजना बचाओ संग्राम' की पूर्व-तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह आंदोलन ग्राम स्तर से लेकर राज्य स्तर तक फैलाया जाएगा और इसे उत्तर भारत में किसानों द्वारा कानूनों में बदलाव के लिए किए गए संघर्ष की तरह व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले महीने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की कार्यकारी समिति की बैठक में मनरेगा को समाप्त किए जाने के मुद्दे को गंभीरता से लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा को समाप्त कर वीबी-जी रामजी नाम से नया कानून लागू किया है, क्योंकि केंद्र सरकार को महात्मा गांधी के नाम से एलर्जी है। सिद्धारमैया ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में मनरेगा को ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने का एक मौलिक अधिकार बनाया गया था।

उस दौर में बेरोजगारी, खाद्य सुरक्षा, सूचना का अधिकार और वनवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए ऐतिहासिक कानून बनाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिनियम, रोजगार गारंटी अधिनियम, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और वनाधिकार कानून उसी सोच का परिणाम हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 20 वर्षों से लागू मनरेगा के तहत देशभर में 12.16 करोड़ श्रमिक कार्यरत हैं, जिनमें 6.21 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति वर्ष में 365 दिन काम की मांग कर सकता था और उसे अपने ही गांव तथा अपनी ही जमीन पर रोजगार मिलता था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने के लिए वीबी-जी रामजी अधिनियम लागू किया है। पहले यदि कानून के तहत काम नहीं मिलता था, तो मजदूर अदालत का दरवाजा खटखटा सकते थे, लेकिन अब केंद्र सरकार अधिसूचना जारी कर यह तय करेगी कि कौन-से क्षेत्र कार्य क्षेत्र होंगे। इसके साथ ही राज्यों पर लागत का 40 प्रतिशत बोझ डाल दिया गया है, जिससे कर्नाटक सरकार को करीब 2500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार वहन करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि इन्हीं कारणों से मनरेगा बचाओ आंदोलन शुरू किया गया है और इसे एक व्यापक जन आंदोलन में बदला जाएगा। सिद्धारमैया ने पार्टी कार्यकर्ताओं से इस संघर्ष को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बावजूद नहीं सुधरा पाकिस्तान सीमा पार फिर चालू हुए आतंकी कैंप: सेना प्रमुख

सीमा पार से संचालित आतंकी गतिविधियां काबू करने के लिए सेना अलर्ट

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब नष्ट किए गए प्रशिक्षण शिविरों में से आठ फिर से चालू हो गए हैं, जिनमें 100 से 150 आतंकियों के मौजूद होने की आशंका है। इसके बावजूद सीमा पार से संचालित आतंकी गतिविधियों को काबू करने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह से सतर्क और हाई अलर्ट पर है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को यहां मानेकशॉ सेंटर में वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में यह बातें स्वीकार कीं। उन्होंने मुखर होकर कहा कि एलओसी पर छह और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो आतंकी शिविर फिर से शुरू किये जाने की भारत को जानकारी है। इन पर सेना की पैनी नजर है। ऑपरेशन सिंदूर राजनीतिक निर्देश और कार्रवाई करने या जवाब देने की पूरी आजादी के तहत तीनों सेनाओं के तालमेल का सबसे अच्छा उदाहरण था। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सबसे उच्च स्तर पर निर्णायक जवाब देने का साफ फैसला लिया गया था। इसके तहत 07 मई को 22 मिनट की शुरुआत और 10 मई तक 88 घंटे तक चले इस ऑपरेशन ने गहराई तक हमला करके आतंकी ढांचे को खत्म करने का काम किया। सेना ने 21 में से नौ आतंकी शिविरों को सफलतापूर्वक नष्ट किया और उसके बाद पाकिस्तान की हरकतों का सोच-समझकर जवाब देने में अहम भूमिका निभाई।

पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बाद 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर स्थगित किए जाने के समय के बारे में सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कहा कि जहां तक न्यूक्लियर बयानबाजी की बात है, तो मैं कहना चाहूंगा कि डीजीएमओ की बातचीत में न्यूक्लियर पर कोई चर्चा नहीं हुई और जो भी न्यूक्लियर बयानबाजी हुई, वह नेताओं या पाकिस्तान की स्थानीय जनता ने की। मुझे ऐसा कोई इशारा नहीं मिला कि सेना की तरफ से ऐसा कुछ आया। जब हम इसमें अपनी भूमिका के बारे में बात करते हैं तो हमने उनके (पाकिस्तान) लगभग 100 लोगों को खत्म किया। उन 88 घंटों में सेना का संचालन ऐसा था कि अगर पाकिस्तान कोई गलती करता, तो हम ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार थे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी कहते हैं कि म्यांमार में अशांति के जवाब में असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालय वाला बहु-एजेंसी सुरक्षा ग्रिड नॉर्थ ईस्ट को स्पिलओवर असर से बचाने के लिए काम कर रहा है।

म्यांमार में दूसरे फेज के चुनाव सफलतापूर्वक होने के साथ अब हम एक-दूसरे के साथ ज्यादा असरदार तरीके से जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक नॉर्थ ईस्ट की बात है, तो सुरक्षा बलों की तटस्थ, पारदर्शी और निर्णायक कार्रवाई के साथ-साथ सरकार की कई सक्रिय पहलों से 2025 के दौरान मणिपुर में हालात में काफी सुधार हुआ है। डूरंड कप का शांति से होना, कल्चरल फेस्टिवल फिर से शुरू होना और सितंबर 2025 में कुकी विद्रोही ग्रुप्स के साथ ऑपरेशन्स रुकने के ख़ास संकेत रहे हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 मई से पश्चिमी फ्रंट और जम्मू-कश्मीर में हालात संवेदनशील लेकिन पूरी तरह कंट्रोल में हैं। 2025 में 31 आतंकवादी मारे गए, जिनमें से 65 फीसदी पाकिस्तानी थे, जिसमें ऑपरेशन महादेव में मारे गए पहलगाम अटैक के तीन आतंकी भी शामिल हैं।

सक्रिय स्थानीय आतंकी अब सिंगल डिजिट में हैं। आतंकियों की भर्ती अब लगभग न के बराबर है। जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक के साफ संकेत मजबूत विकास कार्यों, पर्यटन बढ़ने और शांतिपूर्ण अमरनाथ यात्रा में दिखा है, जिसमें पांच साल के मुकाबले 4 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आए। उन्होंने कहा कि अब आतंकवाद से पर्यटन का थीम धीरे-धीरे आकार ले रहा है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक सवाल के जवाब में चीन सीमा की बात करते हुए कहा कि उत्तरी फ्रंट पर हालात स्थिर हैं, लेकिन लगातार नजर रखने की ज़रूरत है। उच्च स्तर पर बातचीत नए सिरे से संपर्क और भरोसा बनाने के उपायों से हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं, जिससे नॉर्दर्न बॉर्डर पर चराई, हाइड्रोथेरेपी कैंप और दूसरी गतिविधियां भी शुरू हो पाई हैं। इस फ्रंट पर हमारे लगातार रणनीतिक नजरिए के साथ लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर हमारी तैनाती संतुलित और मजबूत बनी हुई है। साथ ही पूरी सरकार के नजरिए से क्षमता विकास और बुनियादी ढांचा को बेहतर बनाने का काम चल रहा है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि पिछले साल दुनिया भर में हथियारों से जुड़ी लड़ाइयों की संख्या में और तेजी से बढ़ोतरी हुई। यह वैश्विक बदलाव एक सीधी सी सच्चाई दिखाते हैं। जो देश तैयार रहते हैं, वे जीतते हैं। इस बैकग्राउंड में ऑपरेशन सिंदूर, बॉर्डर पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का सोचा-समझा और मजबूत जवाब हमारी तैयारी, सटीकता और रणनीतिक स्पष्टता को दिखाता है। सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री के किये गए आह्वान, जनवरी 2025 में रक्षा मंत्री के दिए गए सुधारों के साल और भारतीय सेना के अपने बदलाव के दशक के जरिए से हम साल 2025 के दौरान हुई तरक्की से सही मायने में बहुत खुश हो सकते हैं।

'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद कश्मीर में मस्जिदों और मदरसों की प्रोफाइलिंग शुरू

श्रीनगर। पिछले वर्ष 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर घाटी में मस्जिदों, मदरसों तथा इन धार्मिक संस्थानों से जुड़े प्रबंधनकर्ताओं, इमामों और शिक्षकों की प्रोफाइलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मस्जिदों, मदरसों, इमामों (नमाज के अगुआ), शिक्षकों और इन संस्थानों की प्रबंधन समितियों से जुड़े व्यक्तियों का विवरण एकत्र करने के लिए गांव स्तर के नंबरदारों (राजस्व विभाग के कर्मचारी) को एक निर्धारित प्रोफार्मा उपलब्ध कराया गया है। इस प्रक्रिया के तहत धार्मिक संस्थानों की वित्तीय स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें निर्माण कार्यों के लिए प्रयुक्त धन के स्रोतों और दैनिक खर्चों से जुड़ी जानकारी शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, सामान्य विवरण के अलावा मदरसों के शिक्षकों और इमामों से आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, संपत्ति स्वामित्व, सोशल मीडिया हैंडल, पासपोर्ट, एटीएम कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, सिम कार्ड, मोबाइल फोन मॉडल और आईएमईआई नंबर जैसी विस्तृत जानकारियां भी मांगी गई हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का उद्देश्य मस्जिदों, मदरसों और उनसे जुड़े व्यक्तियों का एक समग्र और अद्यतन डेटाबेस तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के दौरान जांच में यह सामने आया था कि कुछ संदिग्धों को मदरसों या सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी बनाया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, मौलवी इरफान सहित कुछ इमामों की संदिग्ध भूमिका के चलते वे जांच के दायरे में आए थे। प्रोफार्मा में मस्जिद या मदरसे से जुड़े धार्मिक संप्रदाय—बरेलवी, देवबंदी, हनफ़ी अथवा अहले हदीथ—का विवरण भी मांगा गया है। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में लंबे समय से प्रचलित सूफी परंपरा के विपरीत शुद्धतावादी इस्लामी विचारधारा के बढ़ते प्रभाव को युवाओं के कट्टरपंथीकरण का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। इसी क्रम में इमामों, शिक्षकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों से किसी भी आतंकवादी या विध्वंसक गतिविधि में पूर्व संलिप्तता, लंबित मामलों अथवा न्यायालय द्वारा दी गई सजा से संबंधित विवरण भी मांगा गया है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के सहयोग से नवंबर 2025 के पहले सप्ताह में जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक अंतरराज्यीय 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था।

इस कार्रवाई में तीन डॉक्टरों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया था और लगभग 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। बरामद विस्फोटकों में अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल थे, जिनमें से करीब 360 किलोग्राम अत्यधिक ज्वलनशील अमोनियम नाइट्रेट होने का संदेह जताया गया था।

अरावली बचाने की अजमेर में उठी गुहार

अजमेर। अजमेर की विभिन्न संगठनों, शिक्षण संस्थाओं तथा सैकड़ों आम नागरिकों ने विशाल रैली का आयोजन कर अरावली को बचाने की गुहार लगाई। माय क्लीन स्कूल संस्थान के आह्वान पर आयोजित यह रैली आजाद पार्क से प्रारंभ होकर जिला परिषद होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। रैली की शुरुआत में दिल्ली से आए एडवोकेट सर्वदमन ओबेरॉय, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता डी एल त्रिपाठी व आर एल राव ने झंडी दिखाकर रैली को प्रारंभ किया। रैली में अरावली बचाओ,देश बचाओ, अरावली है तो जीवन है,अरावली की रक्षा भविष्य की सुरक्षा, सेव अरावली सेव फ्यूचर आदि नारे लगाते हुए चल रहे युवाओं का जोश देखते बनते था। रैली में सैकड़ों लोग अरावली को बचाने से संबंधित पोस्टर और तख्तियां लेकर चल रहे थे।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर अजय विक्रम सिंह, इंदिरा पंचोली, जे पी भाटी, राजकुमार नाहर, फरीद महाराज, पामेला एरिक्सन, सुनीता जैन, अनंत भटनागर के दल ने जिला कलेक्टर लोकबंधु से भेंटकर उन्हें राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निरस्त करने, अरावली का दोहन रोकने, शहरीकरण के प्रभाव से रोकने तथा व्यापक सर्वे और नीति बनाने की मांग की गई। रैली में महिला जन अधिकार समिति,नॉर्थन रेलवे इंप्लाईज यूनियन, जन शिक्षण संस्थान,रोटरी क्लब मेट्रो, पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज, ग्रीन आर्मी, ग्रीन गृहिणी,इनर व्हील क्लब, इंटैक, अजयमेरु प्रेस क्लब, अजमेर फोरम, पृथ्वीराज फाउंडेशन, रोटरेक्ट क्लब आदि सामाजिक संस्थाओं ने भागीदारी की। रैली में सोफिया कॉलेज, द टर्निंग प्वाइंट पब्लिक स्कूल, ब्लॉसम स्कूल, न्यू पैटर्न पब्लिक स्कूल, सतगुरु स्कूल, आर्यन स्कूल, सेंट जोसफ, ब्राइट इंडिया स्कूल आदि संस्थाओं के विद्यार्थियों ने भी भागीदारी की।

रैली में कवि रासबिहारी गौड़, पत्रकार प्रताप सनकत सोमरत्न आर्य, मोहन चेलानी, कुलदीप खन्ना,सिद्ध भटनागर, दीपक शर्मा, श्वेता आनंद, जी के माथुर, प्रकाश खन्ना,रमेश यादवार, धर्मेंद्र लालवानी, सिल्वेस्टर एरियल, रेखा सोलंकी, मैरी रेन आदि गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया।

प्रगति पोर्टल के माध्यम से समय और लागत की बर्बादी रुकी है : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रगति पोर्टल (प्रोएक्टिव गवर्नेंस एण्ड टाइमली इंप्लीमेंटेशन) ने मिनिमम गवर्नमेंट और मैक्सिमम गवर्नेंस को सार्थकता प्रदान की है। प्रगति पोर्टल से समय और लागत की बर्बादी रुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति के माध्यम से देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है तो उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर पत्रकार वार्ता कर प्रगति पोर्टल के माध्यम से प्रदेश और देश को हो रहे लाभ के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में सत्ता में आने के साथ ही डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना शुरू कर दिया। इससे पहले उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में इस कार्य का शुभारंभ राज्य स्तर पर किया था। उसी क्रम में 2015 में प्रगति पोर्टल लांच किया गया । यह केवल देश के अंदर बड़े प्रोज्क्ट की समीक्षा ही नहीं है बल्कि देश के अंदर एक नयी कार्य संस्कृति का उदाहरण बन चुका है। इसकी मानिटरिंग प्रधानमंत्री कार्यालय से की जा रही है। इस पोर्टल के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय बनाकर योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार अलग-अलग राज्य की सरकारों और सरकारों में विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज जो कुछ भी परिणाम देखने को मिल रहा है, वह प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बेहतरीन टेक्नालॉजी का इस्तेमाल करने से संभव हो पा रहा है। वर्ष 2003 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिक शिकायतों और जवाबदेही बनाने के उद्देश्य से इसे विकसित किया था। प्रगति उसी का राष्ट्रीय स्वरूप है। मतलब प्रोएक्टिव गवर्नेंश एण्ड टाइमली इंप्लीमेंटेशन का मतलब है कि मिनिमम गवर्नमेंट मैक्सिमम गवर्नेंस का यह पोर्टल महत्वपूर्ण आधार बना है। इसके माध्यम से निर्णय तेज हुए हैं। इससे समय और लागत की बर्बादी रुकी है।

केन्द्र और राज्य के मंत्रालयों विभागों के बीच समन्वय मजबूत हुआ है। जवाबदेही तय हुई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो प्रगति के माध्यम से 86 लाख करोड़ की परियोजनाओं को गति मिली है। जिनमें 377 प्रमुख परियोजनाओं को सीधे प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर समीक्षा की जाती है। 3152 में 2958 मुद्दों का समाधान हुआ है। यह केवल आंकड़ा नहीं है। सरकार के कार्य भी दर्शाता है। उप्र जैसे राज्य को देखें तो प्रगति गेंम चेंजर के रूप में साबित हुआ है। उप्र देश का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। आज उप्र की नई पहचान बनी है। इस मौके पर उप्र सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विनय कटियार का हाथ जोड़कर किया स्वागत

अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का मेगा शो

अयोध्या। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का अयोध्या में यह पहला आगमन था। पहली बार पार्टी में ऐसा जोश किसी प्रदेश अध्यक्ष के लिए दिखा। ऐसा नहीं कि कुर्मी बिरादरी से पंकज चौधरी पहले प्रदेश अध्यक्ष हैं। इससे पहले ओमप्रकाश सिंह विनय कटियार व स्वतंत्र देव सिंह प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। इनमें विनय कटियार तो वही हैं जो अयोध्या विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का दावा कर भाजपा के गले की हड्डी बन चुके हैं।

सोहावल के कांटा में स्थित मां वैष्णो देवी महिला महाविद्यालय में प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में प्रदेश अध्यक्ष जिस अंदाज में विनय कटियार से मिले, उसने सभी को चौंका दिया। पर्दे के पीछे प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम की व्यवस्था भाजपा नेता सत्य प्रकाश वर्मा पप्पू के हवाले रही जो महाविद्यालय प्रबंधन से जुड़े हैं। कटियार के नजदीकी लोगों में शामिल हैं।जिले में प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत अभूतपूर्व हुआ। स्वागत के पीछे पार्टी का नजरिया चाहे पूर्वांचल में बिदके कुर्मी वोटो को साधने का रहा हो या फिर कोई अन्य। विनय कटियार राम मंदिर आंदोलन के नेता रहे हैं। तीन बार अयोध्या के सांसद हुए दो बार के राज्यसभा सदस्य होने के बावजूद वह केंद्रीय मंत्री तो कभी नहीं बने लेकिन उनका व्यक्तिव राष्ट्रीय परिचय को भी मोहताज नहीं रहा। इधर कटियार अयोध्या विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की अंगड़ाई लेने लगे हैं जो विधानसभा चुनाव के करीब आते आते केंद्रीय व प्रांतीय नेतृत्व दोनों के सामने संकट खड़ा करेगा।

अयोध्या सीट से दो बार जीते विधायक वेद प्रकाश गुप्त तीसरी बार चुनाव लड़ने की तैयारी में स्वयं या पुत्र अमल गुप्त को लेकर हैं तो पूर्व सांसद लल्लू सिंह सांसद बनने से पहले पांच बार इसी सीट से विधायक रह चुके हैं। अयोध्या सीट से लोकसभा चुनाव हारने के बाद उनके भी विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाने की चर्चा धीरे-धीरे तेजी पकड़ने लगी है। वैसे तो टिकट के दावेदार कई है।विनय कटियार ने जिस तरह से दावेदारी की है, उसे अन्य दावेदारों का परेशान होना स्वाभाविक है। ऐसे में यह कटियार के लिए भी किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं। अगर पार्टी नेतृत्व उनको अयोध्या सीट से टिकट नहीं देता है तो उनके चाहने के बावजूद भी जिले में उनका सजातीय कुर्मी वोटर भाजपा के साथ रहेगा, यह कहना मुश्किल है।

भाजपा के लिए यही वह समीकरण है जो कमजोर कड़ी बनने के साथ डंके की चोट पर कटियार के विधानसभा चुनाव में अयोध्या सीट से लड़ने के ऐलान को मजबूती देता है। यह वैसा धर्म संकट है जो कटियार को हाशिए पर धकेलने वालों को आने वाले दिनों में बहुत परेशान करेगा।

वाराणसी : दालमंडी में 11 मकान को तोड़ने के लिए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में जनपद वाराणसी के दालमंडी में जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, वाराणसी विकास प्राधिकरण एवं वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 11वें मकान के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

इस अवसर दालमंडी के दुकानदारों ने विरोध करने की कोशिश की लेकिन उन्हें पुलिसकर्मियों ने खदेड़ दिया। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों ने दुकानदारों को एवं रजिस्ट्री हो चुके मकान के मालिकों को तत्काल ही स्थान छोड़ने के लिए मुनादी भी कराई। अपर जिलाधिकारी नगर आलोक वर्मा ने कहा कि मंगलवार को भी मुनादी कराकर लोगों को मकान खाली करने लिए कहा गया।

दालमंडी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अब रुकने वाली नहीं है। जो भी व्यक्ति विघ्न बाधा डालेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ज्यादातर मकान की रजिस्ट्री हो चुकी है और उन्हें अब खाली करके चले जाना चाहिए।

पैतृक संपत्ति के विवाद में सौतेले बेटे ने मां और भाई को मौत के घाट उतारा

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर सौतेले बेटे ने अपनी मां और भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

मड़िहान कस्बा निवासी राहुल गुप्ता का अपने पिता की मौत के बाद से ही सौतेली मां ऊषा गुप्ता (55) और सौतेले भाई आयुष गुप्ता (30) से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। सभी एक ही मकान में पार्टिशन कर अलग-अलग रहते थे। मंगलवार की भोर, जब घर में सन्नाटा पसरा हुआ था और दोनों गहरी नींद में थे, तभी राहुल ने धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर पहले भाई आयुष और फिर मां ऊषा की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित ने अपराध छिपाने की नीयत से शवों को ट्रैक्टर पर लादकर ठिकाने लगाने के लिए निकल पड़ा। मड़िहान तिराहे के पास पहुंचते ही आयुष का शव ट्रैक्टर से नीचे गिर गया। आरोपित ने शव को घसीटकर सड़क किनारे छोड़ दिया और सौतेली मां के शव को लेकर बंदइया गांव के पास स्थित घाघर नहर में फेंक दिया। इसके बाद वह घर लौट आया। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने मड़िहान तिराहे पर शव पड़ा देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने घर से भागने की कोशिश कर रहे आरोपित राहुल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म स्वीकारते हुए बताया कि पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर उसने सौतेली मां और भाई की हत्या की है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चार किलोमीटर दूर घाघर नहर से ऊषा गुप्ता का शव बरामद कर लिया।

अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन मनीष मिश्र ने बताया कि मृतक परिवार की पृष्ठभूमि काफी जटिल रही है। राहुल गुप्ता अपने पिता प्रेमचंद गुप्ता की पहली पत्नी से जन्मा था, जबकि ऊषा गुप्ता से दूसरी शादी के बाद आयुष सहित अन्य संतानें हुईं। प्रेमचंद की दो वर्ष पूर्व मृत्यु के बाद से ही चल-अचल संपत्ति, ठेकेदारी की जमा राशि और पारिवारिक रजिस्टर में नाम को लेकर विवाद गहराता चला गया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में संपत्ति विवाद ही हत्या का मुख्य कारण प्रतीत हो रहा है।

फिरोजाबाद : पत्नी की गला काटकर हत्या, आरोपी पति पुलिस हिरासत में

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में थाना नगला खंगर क्षेत्र अन्तर्गत मंगलवार को एक पति ने अपनी पत्नी की गला काटकर नृशंस हत्या कर दी। घटना के पीछे पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजते हुए हत्यारोपित पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सिरसागंज क्षेत्राधिकारी अनिमेश कुमार ने बताया कि थाना नगला खंगर क्षेत्र के गांव नगला नंदे निवासी आशुतोष ने आज सुबह अपनी पत्नी लता की गला काटकर हत्या कर दी।

वारदात के बाद पति घर के आसपास ही घूमता रहा। इस बीच घटना की जानकारी जैसे ही क्षेत्रीय लोगों को हुई तो उन्होंने सूचना थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतका के मायका पक्ष को बुलाते हुए छानबीन शुरू की।

नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए 18 जनवरी को आयोजित होगा विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान

औरैया। उत्तर प्रदेश में विधानसभा निर्वाचक नामावली के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत जनपद औरैया में नए मतदाताओं को जोड़ने एवं नामावली को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से 18 जनवरी को विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। यह अभियान सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा, जिसमें संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) एवं पदाभिहीत अधिकारी निर्धारित स्थलों पर उपस्थित रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान फॉर्म-6 (नया नाम जोड़ने), फॉर्म-7 (नाम विलोपन) एवं फॉर्म-8 (संशोधन) का संकलन किया जाएगा। आवेदकों को नए प्रपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। 01 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा इस अभियान के माध्यम से मतदाता बन सकते हैं। जिला निर्वाचन ने बताया कि अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे, जिनकी सुनवाई के लिए आयोग द्वारा अतिरिक्त सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की तैनाती की गई है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपने बीएलए को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देने की अपील की, ताकि निर्वाचक नामावली पारदर्शी और अद्यतन बन सके।

मुठभेड़ में एक ट्रैक्टर-ट्राली चोर घायल, दूसरे ने किया आत्म समर्पण

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी जिले के गरौठा थाना पुलिस की सोमवार देर रात को दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। ये दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी की घटना में फरार थे।

गरौठा क्षेत्राधिकारी देवेन्द्र नाथ मिश्र ने मंगलवार को बताया कि नौ जनवरी को ग्राम निमगहना निवासी विजय कुमार ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर के बाहर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी हो गई है। पुलिस मामला दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही थी।गरौठा थाना पुलिस सोमवार देर रात निमगहना में निपान से मोती कटरा जाने वाले मार्ग पर बदमाशों की सुरागरसी में लगी थी। तभी एक ट्रैक्टर ट्राली सवार दो लोग आते हुए दिखाई दिए, जिन्हें पुलिस ने रोकने का इशारा किया तो वह लोग ट्रैक्टर ट्राली नाले में पटक कर भागने लगे। इसी बीच एक बदमाश ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की, जिसमें एक गोली बदमाश जिला जालौन के आटा निवासी प्रवीन राजपूत के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। उसके दूसरे साथी ग्राम निमगहना निवासी कृष्ण कुमार राजपूत ने पुलिस के सामने आत्म समर्पण कर दिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर घायल को मेडिकल कॉलेज उपचार के लिए भर्ती कराया।

प्रयागराज में संगम पर माघ मेला के मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति एवं मौनी अमावस्या को क्षेत्र में वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेंगे

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)। प्रयागराज के संगम (गंगा-यमुना-सरस्वती) पर विश्व प्रसिद्ध माघ मेला के मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति 15 एवं मौनी अमावस्या 18 जनवरी को लेकर श्रद्धालुओं एवं वाहनों के आवागमन में परिवर्तन लागू कर दिया गया है। 13 जनवरी की शाम आठ बजे से इसे लागू कर दिया जाएगा।

माघ मेला प्रभारी पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि माघ मेला-2026 द्वितीय एवं तृतीय मुख्य स्नान पर्व को सम्पन्न करने के लिए 13 जनवरी की शाम आठ से 19 जनवरी को समय 24 बजे तक अथवा मेला क्षेत्र की भीड़ समाप्ति तक सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में प्रशासनिक चिकित्सकीय वाहनों के अतिरिक्त सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन प्रतिबन्धित रहेगा। सम्पूर्ण मेला के परेड, झूंसी, अरैल क्षेत्रों में आने वाले श्रद्धालु स्नानार्थी सम्बन्धित परेड, झूंसी, अरैल क्षेत्रों में बनाये गये संगम स्नान घाटों पर ही स्नान करेंगे। शहर, कानपुर मार्ग, लखनऊ मार्ग से आने वाले श्रद्धालु एवं स्नानार्थी अपने वाहनों को प्लाट नंम्बर 17 पार्किंग में अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली मार्ग द्वारा अपर संगम मार्ग से संगम घाट, संगम हनुमान घाट व संगम रामघाट पर स्नान के जा सकेगें। स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण स्नानार्थी अक्षयवट मार्ग, खडंजा वापसी मार्ग होकर त्रिवेणी मार्ग द्वारा सम्बन्धित पार्किंग में पहुंच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को वापस जा सकेगें।

इसी तरह गल्ला मंडी पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली-2 मार्ग से बेणीबांय, मोरी रैम्प द्वारा किला घाट मार्ग पहुंच कर संगम मोरी घाट तथा संगम शिवाला घाट पर पहुँच कर स्नान कर सकेंगे, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण एवं स्नानार्थी गंगामूर्ति चौराहा से ओल्ड जीटी मार्ग (थाना दारागंज कमिश्नरेट के सामने से) अथवा रिवर फ्रंट मार्ग द्वारा सम्बन्धित पार्किंग में पहुंच कर अपने वाहनों द्वारा गन्तव्य को वापस जा सकेगें।तीसरी नागवासुकि पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नागवासुकि संगम स्नान घाट पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण स्नानार्थी सम्बन्धित पार्किंग से अपने वाहनों से अपने गन्तव्य को वापस जा सकेगें।

जौनपुर एवं वाराणसी मार्ग से आने वाले श्रद्धालु ओल्ड जीटी कछार पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नागवासुकि मार्ग द्वारा पान्टून पुल नं. 4 व 5 पश्चिमी के मध्य वने संगम स्नान घाट पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण एवं स्नानार्थी ओल्ड जीटी मार्ग द्वारा ओल्ड जीटी कछार पार्किंग में पहुँच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को जा सकेगें। 2. महुआबाग पार्किंग में श्रद्धालु एवं स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल जीटी रोड टीकरमाफी से त्रिवेणी मार्ग द्वारा संगम लोवर मार्ग-त्रिवेणी मार्ग चौराहा से बायें मुड़कर संगम लोवर मार्ग द्वारा अक्षयवट मार्ग-लोवर संगम मार्ग से दाहिने अक्षयवट मार्ग द्वारा संगम ऐरावत घाट पहुंच कर स्नान कर सकेंगें। स्नान करने के उपरान्त श्रद्धालुगण महावीर मार्ग द्वारा रिवर फन्ट-समुद्र कूप मार्ग व काली मार्ग द्वारा टीकरमाफी जीटी रोड से महुआबाग पार्किंग व अन्य सम्बन्धित पार्किंग से अपने वाहनों द्वारा अपने गन्तव्य को जा सकेगें।

सोहम आश्रम पार्किंग में श्रद्धालु एवं स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल रिवर फ्रंट झूसी मार्ग द्वारा अक्षयवट मार्ग से पुल नं0 1 के दक्षिण बने संगम ऐरावत स्नान घाट पर स्नान कर सकेंगे, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण महावीर मार्ग से समुद्रकूप मार्ग अथवा रिवर फ्रंट झूसी मार्ग से सोहम आश्रम पार्किंग या अन्य सम्बन्धित पार्किंग से अपने वाहनों द्वारा अपने गन्तव्य को जा सकेगें। मिर्जापुर-रीवा मार्ग से आने वाले श्रद्धालु स्नानार्थी जाने कहां खड़ा करेंगे वाहन- श्रद्धालु अपने वाहन देवरख कछार पार्किंग में पार्क कर पैदल सोमेश्वर महादेव रैम्प मार्ग से सोमेश्वर महादेव संगम स्नान घाट पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त स्नानार्थी उसी मार्ग से देवरख कछार पार्किंग अथवा सम्बन्धित पार्किंग में पहुँच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को जा सकेगें।

गंजिया पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल अरैल घाट मार्ग से फलाहारी बाबा आश्रम के सामने से अरैल बांध रोड पहुंच कर अरैल रैम्प द्वारा संगम अरैल घाट, संगम चक्रमाधव घाट एवं अन्य संगम स्नान घाटों पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त श्रद्धालगण अरैल रैम्प द्वारा अरैल बांध रोड पहुंच कर सच्चा बाबा आश्रम सुरियावीर तिराहा से गंजिया पार्किंग में पहुंच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को वापस जा सकेगें।

संभल में सरकारी तालाब की भूमि पर बने मकानों की पैमाइश शुरू

40 मकानों पर मंडराया खतरा

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में सरकारी तालाब की भूमि पर अवैध रूप से बने मकानों की पैमाइश शुरू हो गई है। हयातनगर क्षेत्र के वाजिदपुर सराय में राजस्व प्रशासन की टीम ने यह कार्रवाई कर रही है। यह काम शाम तक पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पांच थानों की पुलिस और पीएसी बल तैनात किया गया।

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल के नेतृत्व में राजस्व टीम वाजिदपुर सराय पहुंची। टीम में चार कानूनगो और 20 लेखपाल शामिल हैं। नक्शे के आधार पर गाटा संख्या 332 में दर्ज सरकारी 5 बीघा तालाब की भूमि को चिह्नित किया गया और फीता लगा कर एक-एक मकान की पैमाइश की जा रही है। कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो है।

नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल ने बताया कि तीसरी बार इस सरकारी भूमि की पैमाइश की जा रही है। शिकायत के आधार पर की गई इस कार्रवाई में करीब 40 मकानों को चिह्नित किया गया है। इन मकानों का निर्माण लगभग 25 से 30 साल पुराना प्रतीत होता है। यह कार्रवाई शाम तक जारी रहने की उम्मीद

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला जीतने के लिए उतरेगी आत्मविश्वास से भारी भारतीय टीम

राजकोट। विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने भारत की कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों को लेकर बढ़ती चिंताओं को कुछ हद तक कम कर दिया है और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। वाशिंगटन सुंदर उस मैच में चोटिल हो गए थे और वह वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने दिल्ली के आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की ऑलराउंडर को प्राथमिकता देने की रणनीति को देखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक और ऑलराउंडर को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। ऋषभ पंत पहले वनडे से पूर्व चोटिल होने के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए थे। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो टीम प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में एक और विकल्प हो सकते हैं। भारतीय टीम के पास कई विकल्प हैं लेकिन अगले महीने से शुरू होने वाले टीम टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेगी। टी20 टीम में वनडे टीम से बिल्कुल अलग बल्लेबाजी क्रम होगा। लेकिन कुछ नाम दोनों टीमों में समान हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण नाम ऑलराउंडर तिलक वर्मा का है जो ग्रोइन की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ कम से कम पहले तीन टी20 मैचों में नहीं खेल पाएंगे। भारतीय टीम की इन चिंताओं के बीच सभी की निगाह कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी जो अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव में हैं। पहले मैच में कोहली वनडे में अपने 54वें शतक से चूक गए, लेकिन उनकी 91 गेंदों पर खेली गई 93 रन की पारी ने भारत की जीत की नींव रखी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों में काफी अंतर नजर आता है। कीवी टीम का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नहीं है और भारतीय बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। पहले मैच में कप्तान शुभमन गिल ने सधी हुई अर्धशतकीय पारी खेली जबकि उप कप्तान श्रेयस अय्यर एक रन से अर्धशतक बनाने से चूक गए। रोहित शर्मा फिर से भारत को अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे। कोहली इस समय अलग ही तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं और वह आत्मविश्वास से भरे हुए नजर आते हैं। ऐसा लगता है कि वह अपेक्षाओं और आलोचनाओं के बोझ से पूरी तरह मुक्त हैं। कोहली ने शुरुआत से ही न तो आक्रामक बल्लेबाजी करने से परहेज की है और न ही रन बनाने का कोई मौका छोड़ा है। यही कारण है कि उन्होंने वडोदरा में सभी प्रारूपों में सबसे कम पारियों में 28,000 रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। भारत को हालांकि अपनी गेंदबाजी विशेषकर स्पिनरों के प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। पिछले मैच में तेज गेंदबाजों को गेंद की गति कम करने की रणनीति अपनाने से कुछ विकेट मिले थे और स्पिनरों को निरंजन शाह स्टेडियम में बेहतर पिच की उम्मीद होगी। पहले वनडे में हार के बावजूद न्यूजीलैंड को इससे काफी आत्मविश्वास मिला होगा कि कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद उसने भारत को कड़ी टक्कर दी। भारत जब सहजता से लक्ष्य हासिल करने की तरफ बढ़ रहा था तब काइल जैमीसन ने अपने गेंदबाजी कौशल का शानदार प्रदर्शन करके मैच को रोमांचक बना दिया था। उसकी टीम को आखिरी क्षणों में कैच छोड़ने का खामियाजा भुगतना पड़ा था। बाएं हाथ के बल्लेबाजों डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पहले विकेट के लिए 117 रन जोड़कर न्यूजीलैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा पाए। उसकी टीम इस विभाग में सुधार करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी।

टीम इस प्रकार हैं:

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंडः माइकल ब्रैसवेल (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मिशेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फाउल्स, डैरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनोक्स, माइकल रे।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे शुरू होगा।

भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देगी एलिसा हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में से एक एलिसा हीली मार्च में भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। यह 35 वर्षीय खिलाड़ी भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाली तीन वनडे और एकमात्र महिला टेस्ट मैच की श्रृंखला में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी। हीली भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला में नहीं खेलेंगी क्योंकि वह इस साल ब्रिटेन में होने वाले टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेंगी। महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक हीली ने बयान में कहा, ''भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी श्रृंखला होगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा जुनून अभी भी बरकरार है, लेकिन मेरे अंदर वह प्रतिस्पर्धात्मक भावना कुछ हद तक कम हो गई है जिसने मुझे शुरुआत से ही प्रेरित किया है, इसलिए यह संन्यास लेने का सही समय लगता है।'' उन्होंने कहा, ''यह जानते हुए कि मैं इस साल टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाऊंगी और टीम के पास तैयारी के लिए सीमित समय है, मैं भारत के खिलाफ टी20 मैचों का हिस्सा नहीं रहूंगी। लेकिन मुझे घरेलू मैदान पर अपना करियर समाप्त करने और भारत के खिलाफ वनडे और टेस्ट टीम की कप्तानी का अवसर मिलने से बहुत खुशी है। यह हमारे लिए इस कैलेंडर वर्ष की सबसे बड़ी श्रृंखलाओं में से एक है।'' पिछले एक दशक में ऑस्ट्रेलिया के दबदबे में हीली ने अहम भूमिका निभाई है। उनकी मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने आठ विश्व खिताब जीते हैं, जिनमें से छह टी20 प्रारूप में और दो एक दिवसीय क्रिकेट में हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट, 123 वनडे और 162 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने अब तक 30.56 के औसत से 489 टेस्ट रन, 35.98 के औसत से 3563 वनडे रन (सात शतक सहित) और 25.45 के औसत से 3054 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन (एक शतक सहित) बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क से शादी करने वाली इस क्रिकेटर ने कहा, ''मुझे कुछ चोटों से भी जूझना पड़ा। मुझे कई बार डाइव लगानी पड़ी लेकिन अब मुझे लगता है कि हम मुश्किल होता जा रहा है।''

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने हीली को खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक बताया। उन्होंने कहा, ''एलिसा इस खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने 15 साल के करियर में मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हम भारत के खिलाफ श्रृंखला में उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं।'

विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने संन्यास लिया

ओटावा। विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। राओनिच 2016 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कनाडा के पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सेमीफाइनल में रोजर फेडरर को 6-3, 6-7, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था लेकिन फाइनल में एंडी मरे से हार गए थे। उस वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। वह उस वर्ष अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग तीन पर भी पहुंचे थे। राओनिच ने एक्स पर लिखा, ''अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।'' अपनी तीखी सर्विस के कारण 'मिसाइल' नाम पाने वाले राओनिच ने 2011 में पेशेवर बनने के बाद आठ एटीपी एकल खिताब जीते। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर तीन सेट के मैच में सबसे अधिक ऐस (47) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने 2024 में क्वींस क्लब टूर्नामेंट में बनाया था। उन्होंने अपने करियर का अंतिम मैच पेरिस ओलंपिक में खेला था, जिसमें उन्हें पहले दौर में डोमिनिक कोएफ़र से 7-6, 6-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा था।

दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्स की नजर पावरप्ले में दबदबा बनाने पर

नवी मुंबई। यूपी वॉरियर्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में जब आमने-सामने होगी तो उनकी निगाह पावरप्ले में अपने प्रदर्शन में सुधार करने पर टिकी रहेगी। वॉरियर्स के बल्लेबाज पावरप्ले में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि कैपिटल्स के गेंदबाज खेल के इस महत्वपूर्ण हिस्से में जूझते रहे हैं। कैपिटल्स ने जेमिमा रोड्रिग्स की कप्तानी में आदर्श शुरुआत नहीं की है और उसकी टीम अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी। गुजरात जायंट्स से हार के बाद रोड्रिग्स ने कहा था, ''मुझे लगता है कि पावरप्ले में हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। मुझे लगता है कि हमें अपनी रणनीति को

और बेहतर बनाने की जरूरत है।'' दिल्ली कैपिटल्स के लिए अब तक की सकारात्मक बात गेंदबाज श्री चरणी और नंदनी शर्मा का अच्छा प्रदर्शन रहा है। नंदिनी ने पिछले मैच में हैट्रिक बनाई थी जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ होगा। दूसरी ओर यूपी वॉरियर्स को पावरप्ले में अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में हरलीन देओल और किरण नवगिरे ने मेग लैनिंग के साथ पारी की शुरुआत की लेकिन यह दोनों संयोजन कारगर साबित नहीं हुए। टीम प्रबंधन को लैनिंग के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए एक अदद खिलाड़ी ढूंढनी होगी। भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ और शिखा पांडे को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। डिएंड्रा डॉटिन को भी पिछले मैच की निराशा से उबरना होगा। ग्रेस हैरिस ने इस मैच में उनके एक ओवर में 32 रन ठोक दिए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार के बाद कप्तान लैनिंग ने कहा, ''निश्चित रूप से कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। विशेषकर शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हमने शुरुआत में बहुत सारी डॉट बॉल खेलीं।''

टीम इस प्रकार हैं:

दिल्ली कैपिटल्सः जेमिमा रोड्रिग्स (कप्तान), शैफाली वर्मा, मारिजान कप्प, निकी प्रसाद, लौरा वोल्वार्ट, चिनेले हेनरी, श्री चरणी, स्नेह राणा, लिजेल ली, दीया यादव, तानिया भाटिया, ममता मादीवाला, नंदनी शर्मा, लुसी हैमिल्टन, मिन्नू मणि, अलाना किंग।

यूपी वारियर्सः मेग लैनिंग (कप्तान), श्वेता सहरावत, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, फोएबे लिचफील्ड, किरण नवगिरे, हरलीन देयोल, क्रांति गौड़, आशा शोभना, डिएंड्रा डॉटिन, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, क्लो ट्रायॉन, सुमन मीना, जी त्रिशा, प्रतिका रावल, चार्ली नॉट।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।?

नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेंगे कार्लसन

नई दिल्ली। शतरंज के दिग्गज मैग्नस कार्लसन ने आगामी नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा है कि वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जो इस बार स्टावेंजर की जगह ओस्लो में खेली जाएगी। कार्लसन पिछले 13 वर्षों में अपनी घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट में हमेशा खेलते रहे हैं लेकिन हाल में उन्होंने क्लासिकल शतरंज से दूरी बढ़ाने का फैसला किया था जिससे उनका इस प्रतियोगिता में भाग लेने को लेकर संदेह पैदा हो गया था। नॉर्वे शतरंज क्लासिकल प्रारूप का टूर्नामेंट है और कार्लसन इसे सात बार जीत चुके हैं। आयोजकों विज्ञप्ति में कहा, ''मैग्नस कार्लसन नॉर्वे शतरंज 2026 में अपनी भागीदारी की सार्वजनिक रूप से पुष्टि करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। शेष प्रतिभागियों की घोषणा आने वाले सप्ताहों में की जाएगी। इसके साथ ही नॉर्वे शतरंज में भाग लेने वाली महिला खिलाड़ियों की सूची भी जारी की जाएगी।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ीः सियाम

नई दिल्ली। यात्री वाहनों की थोक बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ी है। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि दिसंबर में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 3,99,216 इकाई रही, जो दिसंबर 2024 की 3,14,934 इकाई की तुलना में 26.8 फीसदी अधिक है। सियाम के मुताबिक दिसंबर महीने में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 11,05,565 इकाई के मुकाबले 39 फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ 15,41,036 इकाई हो गई। वहीं, तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री 61,924 इकाई रही है, जो दिसंबर 2024 की 52,733 इकाई की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। सियाम ने बिक्री के परिदृश्य पर कहा कि वाहन उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत गति के साथ प्रवेश कर रहा है, क्योंकि 2025 के अंत में सभी वाहन खंडों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गयी। चौथी तिमाही के दौरान वाहनों की थोक एवं खुदरा बिक्री की मात्रा में स्थिर वृद्धि की उम्मीद है। उद्योग जगत ने कहा, ''भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर नजर रखते हुए उद्योग निकाय को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 सकारात्मक वृद्धि के साथ समाप्त होगा। इसमें नीतिगत रूप से समर्थित कारक मजबूती से मौजूद रहेंगे जिससे हाल के वर्षों के मजबूत प्रदर्शन को बनाए रखने में मदद मिलेगी।''

सरकार यूपीआई की विदेश में उपस्थिति बढ़ाने पर काम कर रही है : वित्तीय सेवा सचिव

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी स्वदेशी डिजिटल भुगतान प्रणाली 'यूपीआई' की वैश्विक पहुंच को अधिक से अधिक देशों खासकर पूर्वी एशिया में विस्तारित करने का प्रयास कर रहा है। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) वर्तमान में आठ देशों भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और फ्रांस में चालू है। विदेशों में भारत के डिजिटल भुगतान नेटवर्क की स्वीकार्यता से भारतीय पर्यटक विदेशों में लेनदेन के लिए यूपीआई से भुगतान कर सकते हैं। 'ग्लोबल इन्क्लूसिव फाइनेंस इंडिया समिट' में यहां नागराजू ने कहा कि यूपीआई की बदौलत भारत में डिजिटल लेनदेन लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा, '' हमने कुछ देशों में अपनी सेवाएं शुरू कर दी हैं। हम इसका और विस्तार करने की कोशिश कर रहे हैं।

पीएम मोदी के विजन के अनुरूप व्यापारियों को सशक्त बनाने वाला हो केंद्रीय बजट: कैट

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि आने वाला केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप व्यापारियों को सशक्त बनाने वाला होना चाहिए। कैट ने मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को देशभर के व्यापारिक समुदाय की ओर से व्यापक एवं दूरदर्शी सुझाव प्रेषित किए हैं।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त, पारदर्शी और आत्मनिर्भर भारत के विज़न के अनुरूप कैट ने वित्त मंत्री सीतारमण को ऐसे सुझाव दिए हैं, जो व्यापार को सम्मान, सरलता, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करते हैं। खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, वोकल फॉर लोकल, लोकल फॉर ग्लोबल, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने देश के व्यापारिक वातावरण को नई दिशा दी है। अब जरूरत है कि आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 में इन पहलों को और मजबूत किया जाए।

उन्होंने बताया कि कैट द्वारा दिए गए प्रमुख सुझावों में ट्रस्ट आधारित व्यापार व्यवस्था के तहत छोटे व्यापारियों के लिए सिंगल विंडो कंप्लायंस सिस्टम, अनावश्यक नोटिस एवं निरीक्षण पर रोक तथा व्यापारिक कानूनों के डिक्रिमिनलाइज़ेशन को तेजी से लागू करने की मांग की गई है। इसके साथ ही पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में अधिकारियों एवं व्यापारियों की संयुक्त समिति गठित करने का सुझाव दिया गया है, जिससे व्यापारिक समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर ही हो सके। खंडेलवाल ने कहा कि कैट ने वन नेशन –वन लाइसेंस–वन रजिस्ट्रेशन की अवधारणा को लागू करने, सभी व्यापारिक लाइसेंसों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जारी करने तथा ऑटो-रिन्यूअल की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न को आगे बढ़ाते हुए कैट ने पारंपरिक व्यापार को आधुनिक बनाने के लिए टेक्नोलॉजी एडॉप्शन इंसेंटिव स्कीम, व्यापार को डिजिटल करने वाले उपकरणों पर सब्सिडी एवं टैक्स छूट तथा डिजिटल दुकान मिशन शुरू करने की सिफारिश की गई है।

खंडेलवाल ने कहा कि ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स में भारी डिस्काउंटिंग, प्रीडेटरी प्राइसिंग और विदेशी फंडिंग से होने वाली अनुचित प्रतिस्पर्धा पर तत्काल नियंत्रण आवश्यक है। इसके लिए वाणिज्य मंत्रालय से हर ई-कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनी को अनिवार्य पंजीकरण, समान नियम, कड़ी निगरानी तथा फेयर ट्रेड कोड लागू करने का सुझाव दिया गया है, ताकि छोटे रिटेलर्स के हित सुरक्षित रह सकें। कैट ने ईमानदार टैक्सपेयर्स को प्रोत्साहन देने के लिए टैक्सपेयर रेटिंग सिस्टम, कम स्क्रूटनी, फास्ट ट्रैक रिफंड और सस्ते ऋण की सुविधा देने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि "व्यापार भी एक कौशल है"- इस सिद्धांत को अपनाते हुए व्यापारियों और उनके कर्मचारियों के लिए नेशनल ट्रेडर्स स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया जाना चाहिए, जिसमें डिजिटल स्किल्स, अकाउंटिंग, साइबर सिक्योरिटी और कस्टमर मैनेजमेंट शामिल हों। उन्होंने बताया कि कैट ने छोटे व्यापारियों के लिए पेंशन व बीमा सुरक्षा को मजबूत करने, व्यापारी पेंशन योजना को व्यावहारिक बनाने तथा पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और पीएम-एसवाईएम जैसी योजनाओं को और सुदृढ़ करने का आग्रह किया है।

खंडेलवाल ने तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा के लिए साइबर फ्रॉड प्रोटेक्शन फंड, त्वरित मुआवजा व्यवस्था, सख्त डेटा प्रोटेक्शन कानून और बैंकिंग तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर डेटा दुरुपयोग पर रोक अत्यंत आवश्यक है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इंडो एसएमसी का आईपीओ, 16 जनवरी तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली। इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए इलेक्ट्रिकल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी इंडो एसएमसी का 91.95 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 141 रुपये से लेकर 149 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इंडो एसएमसी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स दो को लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,98,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 61.71 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 12 जनवरी को इंडो एसएमसी ने 11 एंकर इनवेस्टर्स से 26.16 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में बंगाल फाइनेंस एंड इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इसने कंपनी से अपर प्राइस लिमिट 149 रुपये प्रति शेयर की दर से 3.05 लाख शेयर खरीदे हैं। इसी तरह 360 वन एलवीएफ ट्रेजरी सॉल्यूशंस फंड कंपनी से 1.18 लाख शेयर खरीद कर दूसरा सबसे बड़ा एंकर इनवेस्टर बना है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.45 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.25 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

भारत का दिसंबर में वनस्पति तेल का आयात आठ प्रतिशत बढ़ा : एसईए

नई दिल्ली। भारत के वनस्पति तेल का आयात 2025-26 तेल वर्ष के दूसरे महीने दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 13.83 लाख टन हो गया। सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल के आयात में वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही। उद्योग जगत की संस्था सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) मंगलवार को बताया कि दुनिया के सबसे बड़े वनस्पति तेल आयातक ने दिसंबर 2024 में खाद्य एवं गैर-खाद्य तेलों सहित 12.75 लाख टन तेल खरीदा था। एसईए के अनुसार कुल मिलाकर पाम तेल का आयात दिसंबर 2025 में 20 प्रतिशत घटकर 5.07 लाख टन रह गया जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 6.32 लाख टन था। आरबीडी पामोलिन का आयात दिसंबर में शून्य रहा जबकि कच्चे पाम तेल का आयात इसी अवधि में 3.26 लाख टन से बढ़कर 5.03 लाख टन हो गया। सूरजमुखी तेल का आयात दिसंबर में 32.19 प्रतिशत बढ़कर 3.49 लाख टन हो गया जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 2.64 लाख टन था। सोयाबीन तेल का आयात भी उक्त अवधि में 20.23 प्रतिशत बढ़कर 4.20 लाख टन से 5.05 लाख टन हो गया। गैर-खाद्य तेलों का आयात दिसंबर 2025 में घटकर 21,000 टन रह गया जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 45,764 टन था। इंडोनेशिया और मलेशिया पाम के तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। रबी या शीतकालीन तिलहन फसलों की बुवाई दो जनवरी तक 3.04 प्रतिशत बढ़कर 99.30 लाख हेक्टेयर हो गई जबकि एक वर्ष पहले यह 93.27 लाख हेक्टेयर थी। कुल खाद्य भंडार एक जनवरी तक 17.50 लाख टन रहा जो मासिक आधार पर 16.21 लाख टन से अधिक है।

जीआरई रीन्यू इनरटेक का आईपीओ लॉन्च

21 जनवरी को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोलर एनर्जी सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जीआरई रीन्यू इनरटेक का 39.56 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये से लेकर 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। जीआरई रीन्यू इनरटेक के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,52,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 37.68 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 12 जनवरी को जीआरई रीन्यू इनरटेक ने 9 एंकर इनवेस्टर्स से 11.15 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में स्ट्रेटजिक सिक्स्थ सेंस कैपिटल फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इसने कंपनी से 176.40 लाख रुपये में 1.68 लाख शेयर खरीदे हैं। इसी तरह विनय ग्रोथ फंड 171.36 लाख रुपये में कंपनी से 1,63,200 शेयर खरीद कर दूसरा सबसे बड़ा एंकर इनवेस्टर बना है। इसके अलावा मैक ग्रोथ स्कीम, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, नॉर्थ स्टार अपॉर्च्युनिटीज फंड, एसएमसी इंडिया अपॉर्च्युनिटीज फंड, ग्रोबिज एसएमई अपॉर्च्युनिटीज फंड, पीईएसबी अल्फा फंड और सीसीवी इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.13 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.44 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.33 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.10 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए शेयर इंडिया कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इस इश्यू के लिए शेयर इंडिया कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ही कंपनी का मार्केट मेकर भी है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 89 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 9.91 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 7.03 करोड़ रुपये रह गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को चार करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

रणदीप हुड्डा का 'ओ रोमियो' से हटना, वजह अब हुई साफ

शाहिद कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ओ रोमियो' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विशाल भारद्वाज द्वारा हाल ही में जारी किया गया टीजर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। हालांकि टीजर में रणदीप हुड्डा की गैरमौजूदगी ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि पहले खबरें थीं कि फिल्म में विलेन की भूमिका रणदीप निभाने वाले हैं। अब इस पूरे मामले को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। बॉलीबुड सूत्र ने बताया कि रणदीप हुड्डा ने फिल्म की तैयारी भी शुरू कर दी थी। सूत्र के अनुसार, ₹रणदीप के हिस्से की शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले उनकी निजी जिंदगी में कुछ गंभीर परेशानियां आ गईं। यह दौर पिछले साल अप्रैल का था, जब उनकी फिल्म 'जाट' (2025) रिलीज हुई थी।₹ बताया गया कि इस दौरान रणदीप अपनी पत्नी लिन लैशराम की सेहत से जुड़ी समस्याओं और निजी हालातों से जूझ रहे थे, जिस वजह से उन्होंने काम से पहले परिवार को प्राथमिकता देने का फैसला किया। रणदीप के बाहर होते ही हुई नई कास्टिंग सूत्र के मुताबिक, रणदीप का प्रोजेक्ट से अलग होना पूरी तरह आपसी सहमति और मित्रतापूर्ण माहौल में हुआ। उनके बाहर निकलने के बाद निर्माताओं ने तुरंत विलेन के किरदार के लिए नई कास्टिंग की और अभिनेता अविनाश तिवारी को इस भूमिका के लिए साइन कर लिया। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ विक्रांत मैसी, तृप्ति डिमरी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, नाना पाटेकर और फरीदा जलाल जैसे दमदार कलाकार भी नजर आएंगे। 'ओ रोमियो' 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अगर पहली फिल्म में मेरा किरदार जीवित रहता तो 'बॉर्डर 2' में जरूर काम करता: सुनील शेट्टी

मुंबई। अभिनेता सुनील शेट्टी 1997 में आई फिल्म ''बॉर्डर'' को अपने करियर की शानदार फिल्मों में से एक मानते हैं और उनका कहना है कि अगर फिल्म में उनके किरदार की मौत न हुई होती तो वह इसके सीक्वल में जरूर नजर आते। शेट्टी (64) सोमवार शाम को 'जाते हुए लम्हों' गाने के लॉन्च में शामिल हुए, जो युद्ध पर आधारित फिल्म 'बॉर्डर' के गाने का ही रीमेक है और इसे फिल्म 'बॉर्डर 2' में शामिल किया गया है। 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ''बॉर्डर'' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की वास्तविक घटनाओं पर आधारित थी जिसमें शेट्टी ने कैप्टन भैरों सिंह की भूमिका निभाई थी। सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे और युद्ध में शहीद हो गए थे। 'बॉर्डर' जेपी दत्ता ने बनाई थी। शेट्टी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''मैं इस फिल्म (बॉर्डर) को कभी नहीं भूलूंगा३ जब मुझे यह किरदार निभाने का प्रस्ताव मिला था तो मैं डर गया था। मुझे लगा कि क्या मैं इस किरदार को निभा पाऊंगा, क्योंकि पर्दे पर कोई काल्पनिक किरदार निभाना आसान है लेकिन असल जिंदगी का कोई किरदार निभाना बहुत मुश्किल है।'' उन्होंने कहा, ''जब मुझे अपने किरदार की मौत वाला सीन मिला, तो मैं बहुत खुश था। देश के लिए मरने पर अच्छा लगता है। लेकिन पहली बार मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं 'बॉर्डर' में जिंदा रहता, तो शायद 'बॉर्डर 2' का भी हिस्सा बनता। मुझे हमेशा वर्दी पहनने की इच्छा रही है।'' अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म 'बॉर्डर 2' में सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी सहित कई नए कलाकार दिखाई देंगे। शेट्टी ने कहा कि 2021 में आई फिल्म 'तड़प' से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाले उनके बेटे अहान को मौका देने के लिए वह फिल्म निर्माता के आभारी हैं।

'राहु केतु' का जलवा इंडस्ट्री में भी कायम

अमिताभ बच्चन से सलमान खान तक ने जताया प्यार

माइथोलॉजी और कॉमेडी के अनोखे मेल के साथ 'राहु केतु' इस वक्त जबरदस्त चर्चा में है। ट्रेलर रिलीज होते ही फिल्म ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दमदार गानों, दिलचस्प टीज़र और एक बिल्कुल नई सिनेमाई दुनिया ने दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। देशभर के अलग-अलग शहरों में हुए कॉलेज विज़िट्स ने युवाओं के बीच फिल्म को लेकर क्रेज को और भी मजबूत कर दिया है, जिससे साफ है कि 'राहु केतु' को लेकर दीवानगी पूरी तरह रियल है। इस फिल्म को मिल रहा प्यार सिर्फ दर्शकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंडस्ट्री के दिग्गजों ने भी इसकी सराहना की है। अमिताभ बच्चन, सलमान खान और संजय दत्त जैसे बड़े सितारों ने टीम को शुभकामनाएं दी हैं। इसके अलावा अली फज़ल और ऋत्विक धनजानी ने भी फिल्म के लिए अपना सपोर्ट जाहिर किया है, जिससे 'राहु केतु' को लेकर बढ़ता बज़ और ज्यादा मजबूत हो गया है। वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे की फ्रेश तिकड़ी के साथ यह फिल्म ह्यूमर, अफरा-तफरी और चार्म का जबरदस्त तड़का लगाने का वादा करती है। विपुल विग के निर्देशन में बनी इस फिल्म में चंकी पांडे, अमित सियाल, मनु ऋषि चड्ढा और सुमित गुलाटी जैसे शानदार कलाकार भी नजर आएंगे, जो कहानी को और भी रंगीन और एंटरटेनिंग बनाते हैं। लगातार बढ़ता क्रेज और इंडस्ट्री से मिल रहा सपोर्ट साफ इशारा कर रहा है कि 'राहु केतु' इस सीज़न की सबसे चर्चित एंटरटेनर फिल्मों में से एक बनने जा रही है। ज़ी

स्टूडियोज़ की प्रस्तुति और ज़ी स्टूडियोज़ व बीलाइव प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दर्शकों को अब बड़े पर्दे पर इस पागलपन का इंतजार है।

चौथे दिन 'द राजा साब' की रफ्तार थमी, 'धुरंधर' भी पड़ी फीकी

साउथ सुपरस्टार प्रभास की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' सिनेमाघरों में रिलीज के बाद दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। इसका सीधा असर फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर देखने को मिला। जहां वीकेंड पर फिल्म ने ठीक-ठाक कमाई की, वहीं कारोबारी दिनों की शुरुआत होते ही इसकी रफ्तार बुरी तरह थम गई। उधर रणवीर सिंह की 'धुरंधर' भी अब बॉक्स ऑफिस पर फीकी पड़ती नजर आ रही है और रिलीज के बाद अब तक का सबसे कमजोर कारोबार दर्ज किया है। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, 'द राजा साब' ने चौथे दिन यानी पहले सोमवार को महज 6.6 करोड़ रुपये की कमाई की, जो अब तक का इसका सबसे कम कलेक्शन है। फिल्म ने पहले दिन 53.75 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग ली थी, दूसरे दिन इसकी कमाई 26 करोड़ और तीसरे दिन 19.1 करोड़ रुपये रही। तीसरे और चौथे दिन के आंकड़ों में आई भारी गिरावट ने निर्माताओं की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि इसके बावजूद फिल्म ने चार दिनों में कुल 114.6 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी 'धुरंधर' की कमाई भी अब धीमी पड़ती दिख रही है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 39वें दिन यानी छठे सोमवार को सिर्फ 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कुल कमाई 807.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। हालांकि फिल्म का अगला लक्ष्य अब भी 1000 करोड़ क्लब में शामिल होना है। खास बात यह है कि फिल्म के निर्माताओं ने इसके सीक्वल की घोषणा पहले ही कर दी है, जो 19 मार्च को रिलीज होने वाला है।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग पर चर्चा की

इस्लामाबाद। जकार्ता के जेएफ-17 थंडर जेट खरीदने में रुचि रखने वाले देशों की सूची में शामिल होने की खबरों के बीच पाकिस्तान और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग पर चर्चा की। सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल शफरी शम्सुद्दीन (सेवानिवृत्त) ने सोमवार को रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) में फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर से मुलाकात की। बयान के अनुसार, ''बैठक में आपसी हित के मामलों, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा की बदलती परिस्थितियों और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीके तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया गया।'' दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और इंडोनेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने, प्रशिक्षण सहयोग और रक्षा औद्योगिक सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की पेशेवर दक्षता की सराहना की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके बलिदानों को स्वीकार किया। उन्होंने कई क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ रक्षा संबंधों को और विस्तार देने की इंडोनेशिया की इच्छा भी व्यक्त की। मुनीर ने इंडोनेशिया के साथ मजबूत और स्थायी रक्षा संबंध बनाने के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसके अलावा, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने इस्लामाबाद स्थित वायु सेना मुख्यालय में पाकिस्तान वायु सेना के चीफ ऑफ एयर स्टाफ, एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू से मुलाकात की।

अमेरिका में 2025 में 8,000 छात्र वीजा समेत 1,00,000 वीजा रद्द किए गए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका में आपराधिक गतिविधि का हवाला देकर आप्रवासियों के खिलाफ की गई व्यापक कार्रवाई के तहत 2025 में 8,000 छात्र वीजा समेत एक लाख से अधिक वीजा रद्द कर दिए गए। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''अमेरिका को सुरक्षित बनाने के लिए हम इन ठगों को प्रत्यर्पित करते रहेंगे।'' पोस्ट में कहा गया है, ''अमेरिका में आपराधिक गतिविधियों के लिए कानून की धज्जियां उड़ाने वालों पर कार्रवाई करते हुए विदेश मंत्रालय ने 8,000 छात्र वीजा और 2,500 विशेष वीजा समेत 1,00,000 वीजा रद्द कर दिए हैं।'' विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि एक साल से भी कम समय में ट्रंप प्रशासन ने एक लाख से अधिक वीजा रद्द किए हैं। उन्होंने कहा, ''इनमें हमला, चोरी और शराब पीकर गाड़ी चलाने जैसे अपराधों में आरोपी या दोषी हजारों विदेशी नागरिकों के वीजा शामिल हैं।'' फॉक्स न्यूज की खबर के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के अंतिम वर्ष यानी 2024 में 40 हजार वीजा रद्द किए गए थे।

ईरान ने ट्रंप की चुनौती स्वीकार की, कहा-अमेरिका से युद्ध के लिए तैयार

तेहरान/वाशिंगटन। इस्लामिक गणराज्य ईरान में 28 दिसंबर को महंगाई के खिलाफ शुरू प्रदर्शन देश के सर्वोच्च शासक अली खामेनेई को हटाने के आंदोलन के रूप में बदल गया है। समूचे ईरान में लोग सड़कों पर हैं। इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। सुरक्षा बलों की गोलियों से अब तक कम से कम 2000 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने की खबरें हैं। लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। खामेनेई का कहना है कि प्रदर्शनकारियों को अमेरिका भड़का रहा है। उधर, अमेरिकी ने कई बार चेतावनी दी है कि अगर प्रदर्शनकारियों पर दमन जारी रहा तो मजबूत सैन्य हमले के लिए ईरान तैयार रहे। ईरान ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा कि वह हर तरह से युद्ध के लिए तैयार हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान पर बहुत मजबूत सैन्य हमले पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेहरान को प्रदर्शनकारियों पर दमन न करने की चेतावनी की अनदेखी करना बहुत महंगा पड़ेगा। इस पर ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान निष्पक्ष बातचीत के लिए भी तैयार है, लेकिन वह युद्ध के लिए भी हर तरह से तैयार है। ईरान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने दावा किया है कि दो हफ्ते से ज्यादा समय से जारी अशांति में मरने वालों की शुरुआती संख्या हाल के दिनों में बढ़कर कम से कम 2,000 पहुंच गई है। ईरान ने ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और इटली

के राजदूतों को तलब किया है। ईरान ने उनकी सरकारों पर प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने और उसके आंतरिक मामलों में दखल देने का आरोप लगाया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप को सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों से ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए तीन विकल्पों की जानकारी दी है। पहला- सैन्य हमला। दूसरा- साइबर ऑपरेशन। तीसरा -प्रदर्शनकारियों का सहयोग करने के लिए मनोवैज्ञानिक रणनीति। अधिकारियों ने कहा कि यह तीनों एक साथ भी हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ₹दो अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कूटनीतिक दरवाजे खुले हुए हैं।₹ ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा की निंदा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान के लोग मौजूदा सरकार को हटाकर एक लोकतांत्रिक ईरान स्थापित करेंगे, जहां मानवाधिकारों का सम्मान किया जाएगा। मंगलवार को कैनबरा में एक संवाददाता सम्मेलन में अल्बानीज ने कहा, ₹हम ईरान के लोगों के साथ खड़े हैं जो एक दमनकारी शासन के खिलाफ लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है, लोग खामेनेई को हटा देंगे।₹ विदेशमंत्री पेनी वोंग ने कहा कि मौजूदा ईरानी सरकार की कोई वैधता नहीं है। वह सत्ता बचाने के लिए अपने ही नागरिकों की हत्या कर रही है। इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे। वह ईरान में प्रदर्शनकारियों का चल रहा नरसंहार जारी नहीं रहने देंगे। माइक हकाबी ने सोमवार को स्काई न्यूज से कहा, ₹ ट्रंप लोगों को मरते हुए नहीं देखेंगे। वह यकीनन दखल देंगे। उन्होंने कहा, ₹ ईरान के लोग खामेनेई का इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे अपने परिवारों को खाना नहीं खिला सकते। पानी की कमी है। महंगाई इतनी ज्यादा है कि एक ब्रेड का पैकेट खरीदना मुश्किल है। अमेरिकी दूतावास ईरान ने सोमवार को एक वर्चुअली सुरक्षा परामर्श जारी किया। इसमें अमेरिकी नागरिकों से देश भर में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच तुरंत ईरान छोड़ने की अपील की गई। नागरिकों को सलाह दी गई है कि अमेरिकी सरकार की मदद पर निर्भर हुए बिना अपने खुद के इंतजाम से तुरंत ईरान छोड़ दें।

बलोचिस्तान में डीआरए की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारी सड़कों पर

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में असमानता न्यूनीकरण भत्ता (डिसपैरिटी रिडक्शन अलाउंस 'डीआरए') की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों का विरोध तेज हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा समेत बलोचिस्तान के विभिन्न जिलों में दर्जनों सरकारी कार्यालयों से जुड़े कर्मचारी पिछले सात महीनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बलोचिस्तान ग्रैंड अलायंस के बैनर तले संगठित कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि उन्हें 30 प्रतिशत डीआरए दिया जाए, जैसा कि अन्य प्रांतों और संघीय सरकार में लागू है। बलोचिस्तान ग्रैंड अलायंस के नेताओं का कहना है कि राज्यपाल भवन, मुख्यमंत्री सचिवालय, सिविल सचिवालय, विधानसभा सचिवालय और उच्च न्यायालय सहित कुछ संस्थानों में एक ही श्रेणी के कर्मचारियों को अधिक वेतन दिया जा रहा है, जबकि अन्य अदालतों में एक ही श्रेणी के कर्मचारी कम वेतन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अंतर को दूर करने के लिए नवीकरणीय राजस्व अधिनियम अपरिहार्य है। सरकार की समिति ने भी इसकी सिफारिश की है लेकिन मुख्यमंत्री ने अभी तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया है। विरोध आंदोलन की शुरुआत के बाद सरकार और कर्मचारियों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। बातचीत का हर दौर बेनतीजा रहा।

मिसिसिपी में व्यक्ति पर छह लोगों की हत्या का आरोप, आरोपी ने खुद को निर्दोष बताया

वेस्ट प्वाइंट (अमेरिका)। मिसिसिपी राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में स्थित एक ग्रामीण इलाके में हिंसक घटना को अंजाम देते हुए छह लोगों की हत्या करने के आरोपी व्यक्ति ने खुद को निर्दोष बताया है। मृतकों में सात वर्षीय बच्ची भी शामिल है। 'डब्ल्यूटीवीए-टीवी' की खबर के अनुसार, सोमवार को क्ले काउंटी में एक अदालत की सुनवाई में डारिका एम मूर ने हत्या, प्रथम श्रेणी की हत्या, बच्चे की हत्या का प्रयास, सेंधमारी और मोटर वाहन की चोरी सहित 11 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। मूर पर हत्या का आरोप है जिसके लिए उसे मृत्युदंड भी दिया जा सकता है इसलिए राज्य कानून के तहत वह जमानत के लिए अयोग्य है। न्यायाधीश ने मूर की मानसिक स्थिति के मूल्यांकन का भी आदेश दिया। सोमवार देर रात तक अदालत के रिकॉर्ड में मूर की ओर से किसी भी वकील का नाम दर्ज नहीं था जो कि मामले में टिप्पणी कर सके। जिला अटॉर्नी स्कॉट कोलम ने बचाव पक्ष के वकील के बारे में जानकारी मांगने वाले संदेश का भी तुरंत जवाब नहीं दिया। अधिकारियों ने बताया कि 24 वर्षीय मूर पर शुक्रवार देर रात तीन स्थानों पर अपने पिता, भाई, चाचा, सात वर्षीय चचेरी बहन, एक गिरजाघर के पादरी और पादरी के भाई की हत्या करने का आरोप है। स्थानीय, राज्य और संघीय पुलिस अधिकारियों की भारी तैनाती के बाद मध्यरात्रि से पहले सीडरब्लफ में एक पुलिस नाके पर उसे गिरफ्तार किया गया। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सबूतों और गवाहों से संकेत मिलता है कि मूर ही वह हमलावर था और किसी अन्य के घायल होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारी इस घटना को अंजाम देने के उसके मकसद की जांच कर रहे हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि मूर ने सबसे पहले अपने पिता 67 वर्षीय ग्लेन मूर; अपने भाई 33 वर्षीय क्विंटन मूर और अपने चाचा 55 वर्षीय विली एड गुइन्स की हत्या परिवार के 'मोबाइल होम' में की थी। शेरिफ ने कहा कि मूर ने कथित तौर पर अपने भाई का ट्रक चुराया और कुछ मील दूर अपने रिश्तेदार के घर गया, जहां जबरन घुसकर यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। स्कॉट ने बताया कि मूर ने फिर सात वर्षीय बच्ची के सिर पर बंदूक तानी और उसे गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। परिवार वालों ने बच्ची की पहचान मिकिलिया गुइन्स के रूप में की है। इसके बाद मूर गाड़ी से कथित तौर पर एक छोटे से गिरजाघर एपोस्टोलिक चर्च ऑफ द लॉर्ड जीसस पहुंचा।

ईरान के व्यापारिक साझेदारों को अमेरिका के 25 प्रतिशत शुल्क का सामना करना होगा: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले साझेदार देशों को अमेरिका से 25 प्रतिशत शुल्क का सामना करना होगा। ट्रंप ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें देश भर में लगभग 600 लोग मारे गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने बार-बार ईरान को धमकी देते हुए कहा है कि अगर उनके प्रशासन को पता चलता है कि इस्लामी गणराज्य की सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक बल का प्रयोग कर रही है तो वह सैन्य कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने कहा है कि ईरान अब ''सीमाएं लांघ रहा'' है और इसी वजह से उन्हें और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को ''कठोर विकल्पों'' पर विचार करना पड़ रहा है। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में इन शुल्क की घोषणा करते हुए कहा कि ये ''तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।'' चीन, ब्राजील, तुर्किये और रूस उन देशों में शामिल हैं जो ईरान के साथ व्यापार करते हैं। 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, ''ईरानी शासन की ओर से सार्वजनिक रूप से जो कुछ सुनने को मिल रहा है वह प्रशासन को निजी तौर पर मिल रहे संदेशों से काफी अलग है और मुझे लगता है कि राष्ट्रपति उन संदेशों की पड़ताल करने में रुचि रखते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, इन सब बातों के बावजूद राष्ट्रपति ने यह दिखा दिया है कि जब भी उन्हें आवश्यक लगता है वह सैन्य विकल्पों का उपयोग करने से नहीं डरते और ईरान से बेहतर यह कोई नहीं जानता।'' व्हाइट हाउस ने ईरान की वार्ता के प्रयासों के बारे में बहुत कम जानकारी दी है, लेकिन लेविट ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ तेहरान के साथ बातचीत में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे। रविवार शाम को ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की जा रही है लेकिन साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि ''बैठक से पहले जो कुछ हो रहा है उसके कारण हमें कार्रवाई करनी पड़ सकती है।